दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005 www.asliazadi.com

■ वर्ष: 20, अंक: 303 ■ दमण, मंगलवार 26 अगस्त 2025, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

संघ प्रदेश थ्रीडी प्रशासक प्रफुल पटेल से डीआईए की नवगठित टीम ने मुलाकातकर 9 वर्ष के सफलतम कार्यकाल के लिए माना आभार

■ डीआईए के नवनियुक्त प्रेसिडेंट पवन अग्रवाल एवं डीआईए सदस्यों ने प्रशासक प्रफुल पटेल को पुष्पगुच्छ भेंटकर किया अभिवादन ■ प्रशासक प्रफुल पटेल ने उद्योगों के लिए हर संभव सहयोग करने का डीआईए की टीम को दिलाया भरोसा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 25 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल से आज डीआईए की नवगठित टीम ने शुभेच्छा मुलाकात की। इस दौरान डीआईए प्रेसिडेंट पवन अग्रवाल के नेतृत्व में डीआईए की टीम ने प्रशासक प्रफुल पटेल को पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका अभिवादन किया। इसके साथ ही प्रदेश में प्रशासक के रुप में 9 वर्ष के सफलतम कार्यकाल के लिए डीआईए की टीम ने प्रशासक प्रफुल पटेल का आभार माना। डीआईए की टीम ने उद्योगों के उत्थान के लिए प्रशासक प्रफुल पटेल का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन भी मांगा। प्रशासक प्रफुल पटेल ने डीआईए की टीम को हर संभव सहयोग करने का भरोसा दिलाया। औद्योगिक विस्तार की सडकों को पीपीपी मोड में सुदृढ करने पर भी चर्चा की गई। प्रशासक प्रफुल पटेल ने ओआईडीसी के माध्यम से पंजीकृत एजेंसी को ही स्क्रैप की निकासी और पंजीकृत ट्रांसपोर्ट के माध्यम से परिवहन एवं पंजीकृत सिक्योरिटी एजेंसी से ही सुरक्षा गार्ड तैनात करने सहित के बारे में डीआईए की टीम को सलाह दी। प्रशासक प्रफुल पटेल से मुलाकात के दौरान डीआईए प्रेसिडेंट पवन अग्रवाल के साथ डीआईए के चीफ एडवाइजर आर. के. कुंदनानी, वाइस प्रेसिडेंट आर. के. शुक्ला, सेक्रेटरी हरीश पटेल, संयुक्त सचिव विनीत भार्गव, ट्रेजरर पी. के. सिंह, एक्जीक्यूटिव कमेटी सदस्य फाल्गुनी पटेल, शरद पुरोहित, पिजूष बर्मन, जिनेन्द्र बोथरा, श्यामाराजा शेट्टी, पूर्व डीआईए प्रेसिडेंट सत्येन्द्र कुमार की उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत संघ प्रदेश थ्रीडी के तीनों जिलों में होगा विभिन्न खेल स्पर्धाओं का आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 24 अगस्त। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फिट इंडिया स्वप्न को साकार करने के लिए भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल दिवस के आयोजन का संकल्प लिया है। इसके तहत 29 अगस्त 2025 हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जयंती के अवसर पर भारत के प्रत्येक जिले में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया जाएगा। इसका मूल उद्देश्य भारत को शारीरिक रूप से फिट एवं तंदुरूस्त रखना तथा स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इस संदर्भ में भारत सरकार के खेल विभाग, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सचिव ने अर्ध-सरकारी पत्र जारी कर सभी राज्यों और संघ प्रदेशों से यह अनुरोध किया है कि लोगों में खेल और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के लिए 29 अगस्त 2025 को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जयंती के सुअवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया जाए। साथ ही साथ नगरपालिका क्षेत्रों, नगरपंचायत क्षेत्रों पर विविध खेल स्पर्धा का आयोजन किया जाए, जिसमें अधिक से अधिक जन भागीदारी हो। इस रन का मुख्य उददेश्य है देश के युवा फिट रहने की मुहिम से जुड़ सकें और समाज एवं देश को फिट रखने की कवायद में अपना योगदान दे सकें। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में तथा खेल एवं युवा मामले के सचिव डॉ. अरुण टी के निर्देशानुसार और खेलकूद निदेशक अरूण गुप्ता के सहयोग से संघ प्रदेश थ्रीडी में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा तीनों जिलों में कबड्डी, टग ऑफ वॉर, खो-खो, योगा, मल्लखंब एवं इंडियन राउंड आर्चरी जैसे पारंपरिक खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा। साथ ही विभाग के कोच हैप्पी बीच-खेल के सितारे समंदर के किनारे, एक घंटा खेल के मैदान में, हाफ मैराथन और संडे ऑन सायकिल कार्यक्रम के तहत आमजन को खेल गतिविधियों में शामिल कराएंगे। (समाचार का शेष पेज 8 पर)

S.No	Games	Age Category	Venue	Date
1	Kabaddi	Under – 17 Boys & Girls and Open (Men & Women)	Core Area stadium Ground, Silvassa	28th August, 2025
			Swami Vivekanand College Ground, Nani Daman	
			Education Hub, Kevdi, Diu / Padmabhushan Sports Complex, Diu	
2	Tug of War	Under – 17 & 21 Boys & Girls and Open (Men & Women)	Core Area stadium Ground, Silvassa	29th August, 2025
			Light House Beach, Moti Daman	
			Ghoghla / Nagoa Beach, Diu	
3	Yoga	Under – 19 Boys & Girls and Open (Men & Women)	Core Area stadium Ground, Silvassa	
			Light House Beach, Moti Daman	
			Padmabhushan Sports Complex, Diu	
4	Mallakhamb	Under – 19 Boys & Girls	Birsa Munda School, Khanvel, DNH	
5	Indian Round Archery	Under – 19 Boys & Girls	KISCE, Silvassa	
6	Various Sports Activities for "Ek Ghanta Khel Ke Maidaan Mein"	Open	Various Sports Premises of UT. of DNH & DD	
7	Kho – Kho	Under – 17 Boys & Girls and Open (Men & Women)	Core Area stadium Ground, Silvassa	30th August, 2025
			Swami Vivekanand College Ground, Nani Daman	
			Education Hub, Kevdi, Diu	
8	Half Marathon	Under – 17 Boys & Girls (3 Km) and Open Men's & Women's (5 Km)	Light House Beach Moti Daman to Jampore Beach & return.	31st August, 2025
9	Sundays on Cycle	Open (Men & Women)	KISCE, Silvassa	

कॉमेडिन समय रैना को सुप्रीम कोर्ट से फटकारज्जकमाई के लिए किसी का मजाक नहीं बना सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा है कि किसी को भी कमाई करने के मकसद से किसी का भी मजाक उड़ाने की आजादी नहीं मिल सकती है। इतना ही नहीं अभिव्यक्ति की आजादी के तहत किसी भी तरह का संरक्षण नहीं दिया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने

मामले में तल्ख टिप्पणी की कि जब आप अपने भाषण का व्यवसायीकरण कर रहे हैं, तब आप इसके जरिए किसी समुदाय की भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचा सकते। शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान कॉमेडिन समय रैना और अन्य हास्य कलाकारों को विकलांग व्यक्तियों का मजाक उड़ाने वाले चुटकुलों के लिए कड़ी फटकार लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि हर व्यक्ति की गरिमा की रक्षा की जानी चाहिए और यहीं हम कर रहे है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जो स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से प्रभावित मरीजों और परिवारों की मदद करता है। याचिका में विकलांग व्यक्तियों का मज़ाक उड़ाने वाले चुटकुलों की ओर अदालत का ध्यान दिलाया गया था। अदालत ने जिन हास्य कलाकारों की आलोचना की है, उसमें सबसे बड़ा नाम समय रैना, विपुन गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर का शामिल हैं।

राहुल गांधी के विवादित बयान मामले में अगली सुनवाई 26 सितंबर को

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल की एक अदालत ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के विवादित बयान मामले की अगली सुनवाई की तारीख 26 सितंबर तय की है। जानकारी के मुताबिक अपर जिला सत्र न्यायाधीश (एडीजे-द्वितीय) आरती फौजदार ने निचली अदालत से रिकॉर्ड उपलब्ध न होने के कारण सुनवाई की अगली तारीख 26 सितंबर तय की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सगीर सैफी ने बताया कि अदालत ने इस मामले में निचली अदालत से रिकॉर्ड मांगा था, लेकिन आज तक अदालत में रिकॉर्ड उपलब्ध न होने के कारण अगली सुनवाई की तारीख 26 सितंबर तय की गई। अदालत में याचिकाकर्ता ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गांधी पर आरोप लगाया है, '15 जनवरी को नेता प्रतिपक्ष ने दिल्ली कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन पर कहा था कि हमारी लड़ाई भाजपा-आरएसएस से नहीं बल्कि इंडिया स्टेट से है।' याचिकाकर्ता हिंदू शक्ति दल के अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने कहा, '15 जनवरी को दिल्ली में कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान विपक्ष के नेता (लोकसभा) राहुल गांधी ने कहा था कि 'हमारी लड़ाई केवल आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ) और भाजपा से नहीं बल्कि इंडिया स्टेट (भारत सरकार) से है। हिंदू शक्ति दल के प्रमुख ने कहा कि यह टिप्पणी देश के नागरिकों और लोकतंत्र के प्रति अनादर प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी के बयान से देश भर के लोगों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। मैंने पहले संभल के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। नतीजतन, मैंने 23 जनवरी को अदालत में मामला दायर किया।'

निक्की भाटी मर्डर केस में अब सभी नामजद चारों आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा में दहेज की मांग को लेकर कथित तौर पर जिंदा जलाई गई 26 वर्षीय निक्की भाटी मर्डर केस में अब सभी नामजद चारों आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने हत्या के बाद से फरार चल रहे निक्की के ससुर सत्यवीर भाटी को भी सोमवार को गिरफ्तार किया। इस मामले में अब तक यह चौथी गिरफ्तारी है। इसके पहले पुलिस ने निक्की के जेठ को भी सोमवार सुबह गिरफ्तार किया था। वहीं उसकी सास और पति को रविवार को गिरफ्तार किया गया था। दहेज के लिए निक्की को जिंदा जलाकर मारने के आरोपी पति विपिन भाटी को पुलिस ने मुठभेड़ में घायल होने के बाद गिरफ्तार किया था और आरोपी पति को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान सतवीर भाटी (55) और रोहित भाटी (28) के रूप में हुई है। इन्हें पुलिस ने एक गुप्त सूचना और मैन्युअल खुफिया जानकारी के आधार पर सिरसा टोल चौराहे के पास से गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने बताया कि दोनों गिरफ्तारियां अलग-अलग की गईं और दोनों के बीच कुछ समय का अंतर था। बेटी की मौत के बाद मृतका निक्की के परिजनों ने दावा किया कि 2016 में उसकी शादी के बाद से ही 36 लाख रुपये दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा था, जबकि उन्होंने निक्की के ससुराल वालों की स्कॉर्पियो वाहन और बुलेट बाइक की मांग पूरी भी कर दी थी। निक्की के माता-पिता ने विपिन के पूरे परिवार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बाइक सवार चार किशोरों की मौत, कार ने मारी जोरदार टक्कर

गौतमबुद्धनगर (एजेंसी)। यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले के औद्योगिक क्षेत्र ग्रेटर नोएडा में ईकोटेक-3 कोतवाली क्षेत्र के कुलेसरा पुस्ता रोड पर सोमवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। सामने से आ रही वैगनआर कार ने बाइक सवार चार किशोरों को टक्कर मार दी। चारों गंभीर रूप से घायल हुए और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान सुमित, लवकुश, रिहान और मोनू ठाकुर के रूप में हुई है। चारों की उम्र 16 से 18 वर्ष के बीच थी और वे दोस्त थे। चारों टीवीएस राइडर बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही वैगनआर कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि चारों किशोर सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और सभी को सेक्टर-39 जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया।

अमित शाह का दावा: सुदर्शन रेड्डी की वजह से देश में दो दशक तक चला नक्सलवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति का चुनाव होना है। इसमें एनडीए और इंडिया गठबंधन ने अपने अपने उम्मीदवार खड़े किए है। वहीं संविधान संशोधन बिल भी देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। जेपीसी में शामिल होने को लेकर सपा और टीएमसी ने खुद को अलग कर लिया है। ऐसे में इस बिल पर क्या असर पड़ेगा। ऐसे कई सवालों को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपनी राय व्यक्त की है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि इंडिया गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी ने बतौर सुप्रीम कोर्ट जज सलवा जुडूम को खारिज कर आदिवासियों के आत्मरक्षा के अधिकार को खत्म कर दिया था। इसी वजह से इस देश में नक्सलवाद दो दशकों से ज्यादा समय तक चलाज्मेरा मानना ??है कि वामपंथी विचारधारा ही (सुदर्शन रेड्डी को चुनने का) मानदंड रही होगी।

जेपीसी शामिल हों या न हो काम तो होगा ही

शाह ने जोर देकर कहा कि सरकार ने विधेयक को जेपीसी को भेजकर एक समावेशी दृष्टिकोण अपनाया है, ताकि सभी दलों की राय सुनी जा सके। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि विपक्ष इस चर्चा में शामिल हो और अपनी राय दे। लेकिन अगर वे बहिष्कार करते हैं तो सरकार क्या करे? यह विधेयक देश के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए है और हम इसे पूरी पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ाएंगे। यह बयान उस समय आया है जब विपक्ष ने 130वें संशोधन विधेयक को असंवैधानिक बताकर इसका विरोध किया है। इस विधेयक में प्रावधान है कि यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई मंत्री गंभीर अपराध के लिए 30 दिनों से अधिक जेल में रहता है और उसे जमानत नहीं मिलती, तो उसे अपने पद से हटना होगा। अमित शाह ने कहा कि संविधान (130वां संशोधन) विधेयक की जांच के लिए लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों की एक संयुक्त समिति गठित की जाएगी, जिसमें सभी दलों के सदस्य शामिल होंगे। इस समिति का गठन लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति करेंगे। शाह ने कहा कि यह समिति सभी पक्षों की राय सुनेगी और विधेयक पर चर्चा करेगी। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष इसमें शामिल नहीं होगा तब भी जेपीसी अपना काम करेगी।

आप का उदाहरण दिया कहा- विपक्ष का दोहरा रवैया

अमित शाह ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का भी जिक्र किया, जिन्हें भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि जेल जाने के बाद भी इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था। शाह ने इसे विपक्ष के दोहरे रवैये का उदाहरण बताया। विपक्ष खासकर कांग्रेस पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाया। उन्होंने यूपीए सरकार के समय का जिक्र किया, जब मनमोहन सिंह सरकार ने सजायाफ्ता सांसदों को बचाने के लिए एक अध्यादेश लाया था। शाह ने कहा कि सत्येंद्र जैन (आप नेता) के मामले में उन्हें चार मामलों में जेल हुई और सीबीआई ने चार्जशीट दाखिल की। वे मुकदमे का सामना कर रहे हैं। लेकिन कांग्रेस ने भी ऐसा किया। जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और लालू प्रसाद यादव को सजा हुई थी, तब यूपीए सरकार ने एक अध्यादेश लाया कि दो साल की सजा होने पर भी सांसद की सदस्यता तब तक रद्द नहीं होगी, जब तक अपील की प्रक्रिया पूरी न हो।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की जेड श्रेणी सुरक्षा मोदी सरकार ने ली वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले के बाद उनकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे थे। केंद्र सरकार ने आनन-फानन में उन्हे जेड श्रेणी की सुरक्षा मुहैया करा दी थी। पर 24 घंटे भी नहीं हुए उनकी सुरक्षा वापस ले ली गई। केंद्र ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को दी गई केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 'जेडश्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली है। कुछ दिन पहले ही गुप्ता पर हुए हमले के बाद उन्हें यह सुरक्षा प्रदान की गई थी। इस घटना के एक दिन बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विशिष्ट व्यक्तियों को दी जाने वाली सीआरपीएफ की वीआईपी सिक्योरिटी विंग को केंद्र के जेड श्रेणी सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत उन्हें सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया था। सूत्रों ने बताया कि सीआरपीएफ सुरक्षा वापस ले ली गई है और अब दिल्ली पुलिस ही फिर से मुख्यमंत्री को सुरक्षा प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ सुरक्षा बढ़ाने का आदेश केंद्र द्वारा औपचारिक रूप से जारी किया जाना था, लेकिन योजना में बदलाव हुआ और सुरक्षा वापस लेने के आदेश जारी किए गए। दिल्ली पुलिस ने मुख्यमंत्री पर हमले की जांच के सिलसिले में अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें मुख्य आरोपी 41 वर्षीय राजेशभाई खिमजी सकारिया भी शामिल है, जो गुजरात के राजकोट का निवासी है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उनकी सुरक्षा का जिम्मा फिर से दिल्ली पुलिस को सौंप दिया गया है। सीएम रेखा गुप्ता पर 20 अगस्त की सुबह सिविल लाइंस इलाके में स्थित उनके ऑफिस में 'जन सुनवाई' कार्यक्रम के दौरान गुजरात के राजकोट निवासी एक व्यक्ति ने हमला कर दिया था। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस हमले को उनकी हत्या की सुनियोजित साजिश का हिस्सा बताया था।

स्पेस स्टेशन से लौटे शुभांशु का लखनऊ पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

-एयरपोर्ट पर उमड़ा जनसैलाब, तिरंगा लहरा भारत माता की जय के लगाए नारे

लखनऊ (एजेंसी)। स्पेस स्टेशन से लौटे देश के गौरव शुभांशु शुक्ला का लखनऊ एयरपोर्ट पर ऐतिहासिक स्वागत किया गया। पत्नी और बेटे के साथ पहुंचे शुभांशु का उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सहित हजारों लखनऊवासियों ने तिरंगों और फूल-मालाओं से अभिनंदन किया। एयरपोर्ट परिसर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूंज उठा। इस दौरान सेना के बैंड की धुनों ने वातावरण को और अधिक रोमांचक बना दिया। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा कारणों से शुभांशु को अपने घर जाने की अनुमति नहीं दी गई है। उनका यह दौरा विशेष रूप से आयोजित विक्ट्री परेड तक ही सीमित रहेगा। परेड में शुभांशु विशेष कार में सवार होंगे, जबकि उनके परिवार के लिए अलग ओपन जीप की व्यवस्था की गई है। पुलिस का काफिला और सुरक्षा गाड़ियां पूरे कार्यक्रम के दौरान साथ रहेंगी। विक्ट्री परेड में स्कूली बच्चों का विशेष दल भी शामिल होगा, जो 'एस्ट्रोनॉट' की वेशभूषा में कदमताल करेगा। इस आयोजन को शुभांशु की ऐतिहासिक उपलब्धियों और भारत के अंतरिक्ष मिशन में उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। परेड से पूर्व शुभांशु शुक्ला ने मीडिया से कहा, कि मैं बेहद उत्साहित हूं। अंतरिक्ष में बिताए हर पल ने मुझे यह एहसास कराया कि भारत अब नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मैंने स्पेस स्टेशन पर भारत की ताकत और वहां की जिंदगी के अनुभव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी साझा किए।

रियल-मनी गेम में हर साल 20,000 करोड़ रुपए गवां रहे थे... तभी मोदी सरकार लाई बिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार ने द प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 पेश कर देश के युवाओं को नई दिशा देने का काम किया है। इससे एक ओर रियल-मनी गेम पर रोक लगेगी, दूसरी तरफ ई-स्पोर्ट्स और एजुकेशन प्लेटफॉर्म को बढ़ावा मिलेगा। अनुमान के मुताबिक, रियल-मनी गेम में करीब 45 करोड़ भारतीय हर साल 20,000 करोड़ रुपए गवां रहे थे। यह कई सामाजिक समस्याओं का कारण बना रही है। इसमें कर्ज के कारण आत्महत्या और बच्चों द्वारा अनजाने में माता-पिता की पूरी सेविंग्स ऑनलाइन गेम में दांव पर लगाना जैसे अपराध शामिल था।

मोदी सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग बिल सभी पक्षकारों की सहमति से मिलकर बनाया है। संपूर्ण दृष्टिकोण प्राप्त करने के लिए वित्त, खेल और आईटी मंत्रालयों के साथ-साथ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई), बैंकों, अभिभावक संगठनों और गेमिंग उद्योग से भी जानकारी ली गई। इस बिल से देश में ऑनलाइन गेम के भविष्य को सही दिशा मिलने की उम्मीद है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश में मौजूदा समय में 48.8 करोड़ लोग ऑनलाइन गेम खेलते हैं। आंकड़ा 2025 के अंत तक 50 करोड़ के पार जा सकता है। वहीं, ई-स्पोर्ट्स की व्यूअरशिप 2025 के अंत तक 64 करोड़ के पार पहुंचने की उम्मीद है। 2024 में गेमिंग स्टार्टअप ने 3,000 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया था, जो कि 2025 में 5,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल, 2025 पर इंडस्ट्री लीडर्स और लीगल जानकारों का कहना है कि इससे देश में ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलेगा।

जानकार ने कहा कि यह कानून न सिर्फ ई-स्पोर्ट्स को मान्यता देता है, बल्कि एडिक्शन, वित्तीय सुरक्षा, फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे सामाजिक मुद्दों को संबोधित करता है। उन्होंने कहा कि यह कानून सभी प्रकार के रियल-मनी खेलों पर प्रतिबंध लगाकर

धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद की फंडिंग को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है।

अब भारत में बनेंगे तेजस एमके2 के जीई-इंजन, बढ़ेगी वायुसेना की ताकत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अब भारतीय वायुसेना को और भी ज्यादा मजबूत करने के लिए काम कर रही है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और अमेरिका की रक्षा दिग्गज जनरल इलेक्ट्रिक एयरोस्पेस के बीच हुई डील के बाद अब भारत के स्वदेशी फाइटर जेट तेजस मार्क-2 के लिए भारत में इंजन बनाने की बात शुरू हो गई है। इसके अलावा डीआरडीओ ने बेंगलुरु स्थित एक गैस टर्बाइन रिसर्च प्रतिष्ठान के साथ फ्रांस की कंपनी सफ्रान की डील को भी अंतिम रूप दे दिया है। यह दोनों मिलकर पांचवी पीढ़ी का उन्नत और मध्यम लड़ाकू विमान के इंजन बनाएंगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकार का उद्देश्य अगले तीन महीनों में तेजस मार्क 2 के इंजन के लिए एचएएल और जीई के समझौते की बातचीत को अंतिम रूप देना है। ताकि इस समझौते के तहत जल्द से जल्द एफ414 इंजनों का उत्पादन भारत में होने लगे, जिनको तेजस मार्क 2 के लिए डिजाइन किया गया है। बता दें अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने लड़ाकू जेट विमानों के इंजनों के उत्पादन के लिए जून 2023 में एचएएल के साथ समझौता किया था। इस समझौते की घोषणा पीएम मोदी के अमेरीकी दौरे में की थी। हालांकि अमेरिकी कांग्रेस से मंजूरी मिलने के बाद आम शर्तों पर भी सहमति बन गई थी। उसके बाद भी यह डील ठंडे बस्ते में डाल दी गई। इस विषय के जानकारों का कहना है कि भारत सरकार और अमेरिका के बीच में इस इंजन को लेकर पिछले 10 सालों से बातचीत जारी है। जीई एयरोस्पेस इस इंजन की करीब 80 फीसदी तकनीक को भारत के साथ साझा करने को तैयार है। हालांकि इसमें कुछ अहम प्लाइंट्स को बाहर रखा गया है। बता दें शुरुआत में जीई केवल 58 फीसदी टेक्नोलॉजी के ट्रांसफर के लिए तैयार हुआ था, लेकिन बाद में वह 80 फीसदी तकनीक के लिए तैयार है।

बिहार की वोटर लिस्ट में पाकिस्तानी महिला का नाम, गृह मंत्रालय की जांच के बाद हड़कंप

- मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर उठ रहे सवाल

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। खबर है कि गृह मंत्रालय की जांच में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान से आईं दो महिलाओं के नाम वोटर लिस्ट में हैं। दरअसल बिहार के भागलपुर में दो पाकिस्तानी महिलाओं के नाम वोटर लिस्ट में पाए जाने के बाद बिहार में हड़कंप मच गया है। यह भी पता चला है कि दोनों महिलाओं के पास मतदाता पहचान पत्र हैं। भागलपुर में इस चौंकाने वाली घटना के सामने आने के बाद चुनाव आयोग और प्रशासन में हड़कंप मचा है। मिली जानकारी के अनुसार, गृह मंत्रालय वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहे विदेशी नागरिकों की जांच कर रहा है। गृह मंत्रालय को सूचना मिली थी कि भागलपुर में तीन पाकिस्तानी रह रहे हैं। अधिकारियों द्वारा जांच के दौरान यह भी पता चला कि इमराना खानम उर्फ इमराना खातून और फिरदौसिया खानम के पास मतदाता पहचान पत्र है। ये दोनों महिलाएं भागलपुर के भीखनपुर गुमटी नंबर 3, टैंक लेन, इशाकचक में रहती है। इन दोनों पाकिस्तानी महिलाओं ने कभी भारतीय नागरिकता नहीं ली। फिर भी, उनके नाम मतदाता सूची में शामिल कर लिए गए हैं। अभी तक उनका नाम सूची से नहीं हटाया गया है। इस संबंध में जांच की जा रही है। विशेष शाखा की इस चौंकाने वाली रिपोर्ट के बाद डीएम और एसएसपी को इस संबंध में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। भागलपुर के डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी ने कहा कि दोनों महिलाओं का नाम मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया चल रही है। चौधरी ने कहा कि यह पता लगाने के लिए भी जांच की जा रही है कि किसकी लापरवाही से यह गंभीर गलती हुई। इस मामले में फिरदौसिया खानम के बेटे ने और भी चौंकाने वाला दावा किया है। मोहम्मद गुलौज ने कहा कि उनकी मां का जन्म 1945 में हुआ था और वह यहीं रहती हैं। सभी दस्तावेज जमा करने के बावजूद रिपोर्ट में गलत जानकारी दी गई है। बहरहाल यह मामला सामने आने के बाद मतदाता सूची की विश्वसनीयता और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

पीएम मोदी का शैक्षणिक रिकॉर्ड नहीं होगा सार्वजनिक, सीआईसी आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सीआईसी के उस आदेश को खारिज कर दिया जिसमें पीएम मोदी की डिग्री को आरटीआई के तहत जानकारी साझा करने को कहा गया था। इसी के साथ अब प्रधानमंत्री मोदी के शैक्षणिक रिकॉर्ड का खुलासा नहीं किया जा सकेगा।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के लगभग आठ साल पुराने उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत दायर एक याचिका के जवाब में पीएम मोदी की डिग्री की जानकारी साझा करने को कहा गया था। मालूम हो कि विश्वविद्यालय ने निजता संबंधी चिंता जाहिर करते हुए सीआईसी के आदेश को चुनौती दी थी, जिस पर हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है। यहां केंद्रीय सूचना आयोग का कहना था, कि किसी भी सार्वजनिक व्यक्ति, खासकर प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति की शैक्षिक योग्यताएं पारदर्शी होनी चाहिए। सीआईसी ने यह भी कहा कि ऐसी जानकारी दर्ज किए जाने वाले रजिस्टर को एक सार्वजनिक दस्तावेज माना जाना चाहिए। विश्वविद्यालय की ओर से उच्च न्यायालय में भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और उनकी कानूनी टीम ने तर्क दिया। डीयू की ओर से तर्क दिया गया कि हजारों छात्रों का निजता का अधिकार जनता के सूचना के अधिकार से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

क्या है डिग्री से जुड़ा मामला?

यहां बताते चलें कि पीएम मोदी की डिग्री संबंधी मामला तब चर्चा में आ गया जबकि साल 2016 में एक आरटीआई आवेदक ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से कला स्नातक (बीए) पाठ्यक्रम के सभी छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक रिकॉर्ड 1978 में मांगे थे। दरअसल इसी वर्ष प्रधानमंत्री मोदी ने भी स्नातक उपाधि प्राप्त की। पीएम मोदी की डिग्री संबंधी यह मामला करीब एक दशक से चल रहा है।

जोधपुर में 5 सितंबर से आरएसएस की तीन दिवसीय समन्वय समिति की बैठक... आखिर क्या हैं इसके मायने

नई दिल्ली (एजेंसी)। 5 सितंबर 2025 से राजस्थान के जोधपुर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की समन्वय समिति की तीन दिवसीय बैठक होने वाली है। आरएसएस की ओर से जारी बयान में हर साल होने वाली बैठक बताया है। लेकिन, आरएसएस-बीजेपी के बीच संबंधों में आए बदलाव के बाद बैठक की अहमियत बढ़ गई है। 5 से 7 सितंबर तक संघ की बैठक में इसके तमाम बड़े पदाधिकारी और इसके अनेकों संगठनों से जुड़े लोग शामिल हो रहे है। आरएसएस की यह बैठक 2 अक्टूबर को इसकी स्थापना के सौ साल पूरे होने से ठीक एक महीने पहले आयोजित की जा रही है। संघ के लिए यह एक ऐसा दौर है, जिसमें बीजेपी के साथ इसकी ताल्लुकातों में अप्रत्याशित मोड़ आता नजर आ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त पर आरएसएस की जिस तरह से सराहना की है, वैसा अभी तक कभी नहीं हुआ था। एक तरह से इस तरह के राष्ट्रीय कार्यक्रमों में संघ का जिक्र तक करने से परहेज करने की परंपरा सी बनी हुई थी। बीजेपी सरकार ने भी कभी इसकी कोशिश नहीं की थी। यही नहीं, इसके तुरंत बाद ही पीएम मोदी ने उपराष्ट्रपति पद के लिए महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार तय किया, जो शुरू से संघ से जुड़े रहे हैं। इसतरह के मौके पर बीजेपी सहित संघ के तमाम संगठनों का जोधपुर में जुटना बहुत मायने रखता है।

बताया जा रहा हैं कि आरएसएस के कार्यक्रम में इसके राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्य और कोऑर्डिनेटर पहुंचने वाले हैं। इसमें खुद आरएसएस के सर संघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित सभी 6 सह सरकार्यवाह और अन्य प्रमुख पदाधिकारी हिस्सा लेने वाले है। इसके अलावा बैठक में बीजेपी सहित संघ से जुड़े 32 संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहने वाले है। जिसमें राष्ट्र सेविका समिति, विश्व हिंदू परिषद (बीएचपी), अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी),वनवासी कल्याण आश्रम, भारतीय किसान संघ, विद्या भारती और भारतीय मजदूर संघ शामिल हैं।

इतना ही नहीं इस बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल होने वाले है। इसके अलावा बीएल संतोष भी मौजूद रहने वाले है। जो पार्टी के महासचिव (संगठन) हैं। यह पद बीजेपी में बहुत ही ज्यादा प्रभावशाली रहा है, क्योंकि इसपर बैठा व्यक्ति पार्टी में संघ का प्रतिनिधि माना जाता है और दोनों ही संगठनों के बीच कड़ी की जिम्मेदारी निभाता है। इनके अलावा बीजेपी नेता सुनील बंसल, शिवप्रकाश, सौदान सिंह और वी सतीश की मौजूदगी से भी अंदाजा लग जाता है कि पार्टी के लिए आरएसएस की यह बैठक कितनी महत्वपूर्ण है।

बीजेपी के लिए संघ की यह बैठक इसलिए भी अहम है, क्योंकि हाल ही में

मोहन भागवत ने 75 साल की उम्र होने पर सार्वजनिक जीवन छोड़ने और नए लोगों को मौका देने की बात कह चुके हैं। राजनीतिक जगत में अटकलें हैं कि यह पीएम मोदी के लिए इशारा हो सकता है, जो इस साल 17 सितंबर को 75 वर्ष के होने वाले हैं। खुद भागवत भी 75 साल पूरे कर रहे हैं और संघ की परंपरा के मुताबिक उन्हें भी अपने उत्तराधिकारी का नाम घोषित करना है। वैसे यह घोषणा आरएसएस के शताब्दी वर्ष पूरे होने से पहले होने की संभावना नहीं है।

गुजरात दो मोहनों की धरती, एक सुदर्शन चक्रधारी द्वारकाधीश और दूसरे चरखाधारी गांधी जी की: पीएम मोदी

■ 60-65 साल तक देश पर राज करने वाली कांग्रेस पार्टी ने भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रखा: पीएम मोदी ■ सरकार पशुपालकों, किसानों और छोटे व्यापारियों को कभी कोई नुकसान नहीं होने देगी: पीएम मोदी

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर अहमदाबाद आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शहर के पूर्वी क्षेत्र निकोल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि गुजरात दो मोहन की धरती है। पहले मोहन हैं सुदर्शन चक्रधारी भगवान द्वारकाधीश और दूसरे हैं साबरमती के संत चरखाधारी गांधी जी आज भारत इन दो मोहन के बताए रास्ते पर आगे बढ़ते हुए लगातार मजबूत होता जा रहा है। पीएम मोदी ने गुजरात के दो दिवसीय गुजरात दौरे की शुरुआत पूर्वी अहमदाबाद में रोड शो के साथ की पूर्वी अहमदाबाद के हरिदर्शन चौराहे से निकोल-खोडलधाम तक रोड शो किया। पीएम मोदी के रोड शो में भारी संख्या में लोग उमड़े हैं। लोग पीएम की एक झलक पाने के लिए बेताब दिखे। प्रधानमंत्री के रोड शो में ऑपरेशन सिंदूर की झलक देखने को मिली ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम मोदी दूसरी बार गुजरात दौरे पर आए हैं। पीएम मोदी रोड शो के बाद कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जहां राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने फूलों का गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। गुजरात यात्रा के दौरान पीएम मोदी अहमदाबाद, गांधीनगर और मेहसाणा को कुल 5477 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देंगे। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैं अक्सर सोचता हूँ कि मैं कितना भाग्यशाली हूँ कि मुझे लाखों लोगों का प्यार और आशीर्वाद मिला है। मैं आपका जितना भी धन्यवाद करूँ कम है। उन्होंने कहा कि इस समय पूरे देश में गणेश उत्सव की धूम मची हुई है। भगवान गणेश के आशीर्वाद से, हम गुजरात के विकास से जुड़ी अनेक योजनाओं के श्री गणेश बन चुके हैं। मैं आप सभी को इस विकास के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ। उन्होंने कहा कि मानसून के मौसम में, गुजरात के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई है। देश में भी बादल फटने की कई घटनाएँ हुई हैं। जब हम टीवी पर तबाही का मंज़र देखते हैं, तो खुद को संभालना मुश्किल हो जाता है। मैं सभी प्रभावित लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूँ। पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात की ये धरती दो मोहनों की धरती है। एक सुदर्शन चक्रधारी मोहन यानि हमारे द्वारकाधीश की धरती, और दूसरे चरखाधारी मोहन, यानि साबरमती के संत गांधी जी की धरती। आज भारत इन दोनों के दिखाए रास्ते पर चलकर निरंतर सशक्त हो रहा है। सुदर्शन चक्र धारी मोहन ने हमें देश और समाज की रक्षा करना सिखाया है। उन्होंने सुदर्शन चक्र को न्याय और सुरक्षा का कवच बनाया है। जो रसातल से भी शत्रु को खोजकर उसे दंड देता है। आज दुनिया भारत के इस निर्णय से इसी अनुभूति को अनुभव कर रही है। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अहमदाबाद के पुराने दिनों को याद किया और कांग्रेस पर हमला बोला। प्रधानमंत्री ने कहा कि अहमदाबाद में पहले भी कई दंगे हुए और केंद्र सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। उन्होंने कहा कि अहमदाबादवासियों आप लोगों ने कैसे दिन देखे हैं? जब दंगाई और चाकूबाज लोगों की जान ले लेते थे। हमें कर्फ्यू में रहना पड़ता था। हर त्यौहार पर अहमदाबाद की धरती खून से रंग जाती थी। हर साल अहमदाबाद की धरती खून से रंग जाती है। आतंकवादियों ने हमारा खून बहाया और दिल्ली में बैठी कांग्रेस सरकार ने कुछ नहीं किया। लेकिन आज हम आतंकवादियों और उनके आकाओं को भी नहीं बख्शते वे चाहे कहीं भी छिपे हों, दुनिया ने देखा है कि भारत ने पहलगाम का बदला कैसे लिया। 22 मिनट में सब कुछ साफ़ कर दिया गया। हमने सैकड़ों किलोमीटर अंदर घुसकर आतंकवाद के गढ़ पर हमला कर उसे तबाह कर दियो ऑपरेशन सिंदूर, हमारी सेना के पराक्रम और भारत की इच्छाशक्ति और सुदर्शन चक्रधारी मोहन का प्रतीक बन गया है। हमारे गांधी जी चरखाधारी मोहन ने स्वदेशी से भारत की समृद्धि का मार्ग दिखाया था और साबरमती आश्रम इसका साक्षी है। जिस पार्टी ने गांधी जी के नाम का फायदा उठाकर सत्ता का सुख भोगा, उसने उनकी आत्मा को कुचल दिया। उसने बापू के स्वदेशी मंत्र के साथ क्या किया? आपने उन लोगों के मुँह से कभी स्वच्छता और स्वदेशी शब्द नहीं सुने होंगे। यह देश नहीं समझ सकता कि उनकी समझ को क्या हो गया है। 60-65 साल तक देश पर राज करने वाली कांग्रेस पार्टी ने भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रखा। लेकिन आज भारत ने आत्मनिर्भरता को विकसित भारत के निर्माण का आधार बनाया है। हमारे किसानों-मछुवारों, पशुपालकों और उद्यमियों के बल पर भारत विकास के पथ पर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। आत्मनिर्भरता के पथ पर आगे बढ़ रहा है। हमारे गुजरात में कितने ही पशुपालक किसान हैं। बहनों ने गुजरात में पशुपालन में बहुत बड़ा योगदान दिया है। बहनों ने पशुपालन में योगदान देकर हमारे डेयरी क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाया है। जिसकी चारों ओर जय-जयकार हो रही है। पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया में हर कोई आर्थिक स्वार्थ के साथ राजनीति में अपना स्वार्थ साधने की कोशिश कर रहा है। अहमदाबाद की इस धरती से मैं हमारे छोटे उद्यमियों, छोटे व्यापारियों, किसानों और मजदूरों से कहूँगा कि मैं गांधी की धरती से बोल रहा हूँ। मैं आपसे बार-बार वादा करता हूँ मेरे लिए आपका हित सर्वोपरि है। मेरी सरकार पशुपालकों, किसानों और छोटे व्यापारियों को कभी कोई नुकसान नहीं होने देगी। आज अहमदाबाद देश के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक है। गुजरात में बने शांति और सुरक्षा के वातावरण के सुखद परिणाम हम चारों ओर देख रहे हैं। आज गुजरात में हर तरह के उद्योगों का विस्तार हो रहा है। हमारा राज्य किस तरह एक मैन्युफैक्चरिंग हब बन गया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारी सरकार जीएसटी सुधार कर रही है और दिवाली से पहले आपको इसका बड़ा तोहफा मिलेगा। जीएसटी सुधारों के कारण हमारे छोटे उद्योगों को काफी मदद मिलेगी और कई वस्तुओं पर टैक्स कम हो जाएगा। इस दिवाली चाहे वह व्यापारी वर्ग हो या हमारे परिवार के बाकी सदस्य, सभी को खुशी का दोहरा बोनस मिलने वाला है।

देश में मॉनसून जमकर बरस रहा, अब तक औसत से 4% ज्यादा बारिश, हिमाचल में तबाही

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में मॉनसून जमकर बरस रहा है। देश के अलग-अलग हिस्सों में अच्छी बारिश हो रही है। हालांकि पहाड़ों पर बादल फटने से कई हादसे भी हुए हैं। अब तक औसत से 4% ज्यादा बारिश हुई है। हालांकि मॉनसून के पैटर्न में इस सीजन कुछ बदलाव देखे गए हैं। कई राज्यों में तीव्र मॉनसून के फेस रिकॉर्ड किए गए। जम्मू, हिमाचल प्रदेश और पंजाब के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। बिहार और उत्तर पूर्व भारत के राज्यों में मॉनसून की बारिश इस साल औसत से कम हुई है, जबकि देश के अधिकतर सब-डिवीजन में मॉनसून की बारिश औसत से ज्यादा हुई है। मौसम विभाग ने कहा, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में अगले 48 घंटों के भीतर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसका असर सबसे ज़्यादा उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से सटे उड़ीसा में रहेगा और आंशिक रूप से बंगाल तट पर भी असर होगा। मछुआरों को गहरे समुद्र में जाने से मना किया है। साथ ही उड़ीसा की दिशा में समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। विभाग ने बंगाल की अपडेट पर कहा, अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी जिलों जैसे कुछ इलाकों में बिखरी हुई जगहों पर हल्की से भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण बंगाल में अभी भारी बारिश की संभावना नहीं है। लेकिन राज्य के कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होगी। कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। फिलहाल भारी बारिश की संभावना नहीं है। धूप और बादलों का खेल चलता रहेगा। एक-दो बौछार गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। बारिश न होने पर उमस से लोग परेशान रहेंगे। वहीं, अगर हिमाचल प्रदेश की बात करें तो प्रदेश में मॉनसून से तबाही रुकने का नाम नहीं ले रही है। कांगड़ा, ऊना, चंबा में हालात बेहद चिंताजनक बने हुए हैं। पिछले 48 घण्टे से लगातार बारिश हो रही है, जिससे बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं और भूस्खलन के कारण 3 एनएच सहित 625 सड़कें यातायात के लिए ठप्प हैं। आठ जिलों के शिक्षण संस्थानों को भारी बारिश के चलते बंद रखा गया है। इस बीच मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आज और कल भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी कर दिया है। प्रदेश में मानसून फिलहाल सक्रिय है। इसके चलते बिलासपुर, चंबा, मंडी, सोलन और हमीरपुर जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई है। 25 अगस्त से 31 अगस्त तक प्रदेश में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। 25 अगस्त के दिन चंबा, कांगड़ा और मंडी जिलों के लिए रेड अलर्ट, बिलासपुर और कुल्लू के लिए ऑरेंज अलर्ट, जबकि शिमला के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 26 अगस्त को चंबा और कांगड़ा के लिए रेड अलर्ट, मंडी के लिए ऑरेंज अलर्ट और बिलासपुर व हमीरपुर सहित अन्य जिलों के लिए भारी बारिश की चेतावनी है। बीते 24 घंटों में पूरे प्रदेश में 625 सड़कें बंद हो गईं, 1533 ट्रांसफार्मर ठप हो गए और 168 पेयजल योजनाएं प्रभावित रहीं। इससे जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक मॉनसून सीजन (20 जून से 24 अगस्त) में 303 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 360 लोग घायल हुए हैं और 1212 घर पूरी तरह से ढह गए हैं।

भीषण सड़क दुर्घटना, ट्रैक्टर-ट्रॉली और कैंटर की भिड़ंत में आठ की मौत, 43 घायल

बुलंदशहर (ईएमएस)। यूपी के बुलंदशहर जिले के अरनिया थाना क्षेत्र में रविवार देर रात करीब 2:10 बजे अरनिया बाईपास (बुलंदशहर-अलीगढ़ सीमा) पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली और कैंटर ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही अरनिया थाना पुलिस और आसपास के थानों की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। इस दुर्घटना में आठ लोगों की जान चली गई, जबकि 43 लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर-ट्रॉली को डबल डेकर बनाकर उसमें 61 लोग सवार थे, जो कासगंज जिले के सोरों थाना क्षेत्र के रफातपुर गांव से राजस्थान के जहारपीर धार्मिक यात्रा पर जा रहे थे। पीछे से आ रहे कैंटर ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी, जिससे ट्रॉली पलट गई। इस हादसे में 43 लोग घायल हो गए, आठ लोगों की मृत्यु हो गई, और 10 लोग सुरक्षित बच गए। पुलिस ने घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए खुरजा के कैलाश अस्पताल, जटिया सीएचसी, और मुनि सीएचसी में भर्ती कराया। गंभीर रूप से घायल लोगों को उच्च चिकित्सा केंद्रों में रेफर किया गया है। वर्तमान में 10 घायलों का इलाज अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में, 10 का बुलंदशहर जिला अस्पताल में, और 23 का खुरजा के कैलाश अस्पताल में चल रहा है। दो घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि अन्य की स्थिति स्थिर है। टक्कर मारने वाला ट्रक, जो धान की भूसी लादकर जा रहा था, हरियाणा के फरीदाबाद निवासी संध्या पत्नी संदीप के नाम पर पंजीकृत है। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है। इस हादसे में ईयू बाबू (40), निवासी मिलकिनिया, थाना सोरों, कासगंज (ट्रैक्टर चालक), रामबेटी पत्नी सोरन सिंह (65), रफातपुर, थाना सोरों, कासगंज, चांदनी पुत्री कालीचरण (12), रफातपुर, थाना सोरों, कासगंज, घनीराम (40), मिलकिनिया, थाना सोरों, कासगंज, मोक्षी (40), मिलकिनिया, थाना सोरों, कासगंज, शिवांश पुत्र अजय (06), मिलकिनिया, थाना सोरों, कासगंज, योगेश पुत्र रामप्रकाश (50), रफातपुर, थाना सोरों, कासगंज तथा विनोद पुत्र सोरन सिंह (45), रफातपुर, थाना सोरों, कासगंज की मौत हो गयी।

मथुरा में स्पा सेंटर पर छापेमारी... दो दलाल, दो ग्राहक और 15 लड़िकयों को पकड़ा

एसएसपी कुमार ने सभी स्पा सेंटरों और कैफे की जाँच करने का आदेश दिए

मथुरा (ईएमएस)। कान्हा की नगरी मथुरा में पुलिस ने स्पा सेंटर और कैफे की आड़ में होने वाले गैरकानूनी कामों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। शहर के एसएसपी श्रोक कुमार ने मामले में सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, मथुरा के कृष्णा नगर में स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार की शिकायत मिली थी। इसके बाद पुलिस ने ब्लासम थाई स्पा एंड सैलून और हेवन स्पा सेंटर पर छापा मारा। छापे के दौरान, दो दलाल, दो ग्राहक और 15 लड़िकयों को पकड़ा गया, और छापेमारी के दौरान आपत्तिजनक सामान भी बरामद हुआ। इस घटना के बाद, एसएसपी ने जिले में चल रहे सभी स्पा सेंटरों और कैफे की जाँच करने का आदेश दिया है। अगर किसी कैफे में बंद केबिन मिलते हैं, तब उन पर भी कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि ऐसी जगहों पर अक्सर गलत गतिविधियां होती हैं। वहीं पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों स्पा सेंटरों को सील कर दिया गया है। इतना ही नहीं कृष्णा नगर चौकी इंचार्ज कुशलपाल सिंह को लाइन हाजिर किया गया है। स्पा संचालकों को पकड़ने के लिए तीन टीमें बनाई गई हैं, जिसमें आगरा के जितेंद्र तोमर, जीतू राठौर, अशोक तोमर, कन्हैया और दिल्ली के पंकज कपूर और अरमान शामिल हैं। पुलिस अब सभी स्पा और कैफे के मालिक, कर्मचारियों, ग्राहकों के रजिस्टर और सीसीटीवी की जानकारी जुटा रही है। पहले भी सामने आ चुके हैं मामले यह कोई पहली बार नहीं है जब कैफे में ऐसी घटना सामने आई हो। करीब एक साल पहले एक छात्रा को कैफे में ही ब्लैकमेल किया गया था, जिसके बाद उसने छत से कूद कर जान देने की कोशिश की थी। गोविंद नगर में भी एक किशोरी के साथ कैफे में अश्लील हरकतें हुई थी। एसएसपी श्लोक कुमार का कहना है कि स्पा या कैफे की आड़ में होने वाले किसी भी अनैतिक काम को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और अगर किसी प्रतिष्ठान में गड़बड़ी मिलती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM SANJAYKUMAR HASMUKHLAL JOSHI **TO SANJAY HASMUKHLAL JOSHI** **ADDRESS** :- 14-79-G-1, 301, SATYAM SAGAR APT., DILIP NAGAR , NANI DAMAN-396210.

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM MUKESH KUMAR **TO MUKESH OMPRAKASH PRASAD** **ADDRESS :-** 8/346, PARKOTA SHERI, NEAR MATAN MARKET, NANI DAMAN-396210.

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM OLD NAME : ALKAKUMARI PRABHUBHAI HALPATI **TO NEW NAME : ALKA RAMESH HALPATI,** RESIDENT OF 46, BAVRI FALIA, THANA PARDI, MOTI DAMAN, DAMAN, DAMAN AND DIU-396220.

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM NIRMALA DEVI PRAVEEN KUMAR MUNDRA **TO NIRMALA PRAVEEN MUNDRA** AS PER DOCUMENTS

मोदी या ट्रंप... कौन रुकवायेगा रूस-यूक्रेन युद्ध? अमेरिकी 'शोर' पर भारी पड़ेगी भारत की 'शांत' कूटनीति

नीरज कुमार दुबे

यह महज संयोग नहीं है कि पुतिन ने ट्रंप से मुलाकात के पहले और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके तुरंत बाद जेलेंस्की ने भी मोदी से वार्ता की। इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले मोदीझजेलेंस्की मुलाकात की भी संभावना है।

युद्ध से थकी हुई यूरोप की राजनीति, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय तनाव यह संकेत दे रहे हैं कि अब रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की खोज बहुत जरूरी हो गयी है। इस बीच दो घटनाएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। पहली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात और दूसरी, भारत-यूक्रेन तथा भारत-रूस के बीच ऊँचे स्तर का बढ़ता कूटनीतिक संवाद, जिसमें राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा सबसे अहम है।

यह भी महज संयोग नहीं है कि पुतिन ने ट्रंप से मुलाकात के पहले और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके तुरंत बाद जेलेंस्की ने भी मोदी से वार्ता की। इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले जेलेंस्की भी भारत आ सकते हैं। यही नहीं, मोदी-पुतिन मुलाकात जल्द ही चीन में होने वाले एससीओ सम्मेलन में होगी तो दूसरी ओर सितंबर में न्यूयॉर्क में मोदी-जेलेंस्की मुलाकात होने की भी पूरी-पूरी संभावना है। साफ है कि कूटनीति के मौन गलियारों में भारत एक ऐसा ध्रुव बन चुका है, जिसके इर्द-गिर्द युद्धविराम की संभावनाएँ गढ़ी जा रही हैं।

एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी शैली के अनुरूप मीडिया के सामने रोज यह दावा करते हैं कि वह युद्ध समाप्त करवा सकते हैं। लेकिन उनका यह दृष्टिकोण ज्यादातर चुनावी और जनमत-निर्माण की राजनीति से जुड़ा है। इसके विपरीत, नरेंद्र मोदी का रुख ज्यादा व्यावहारिक और संतुलित है। वह रूस और यूक्रेन, दोनों से गहन संवाद बनाए हुए हैं और 'यह युद्ध का युग नहीं है' की अपनी उद्घोषणा को अब ठोस प्रयासों से सार्थक बना रहे हैं।

भारत की यह भूमिका ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है। हम आपको याद दिला दें कि शीतयुद्ध के दौर में भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जरिये वैश्विक तनाव को संतुलित करने का प्रयास किया था। आज, वही भूमिका भारत एक जिम्मेदार शक्ति की तरह निभा रहा है। पश्चिम को यह स्पष्ट हो रहा है कि ट्रंप की घोषणाओं से अधिक असरदार है मोदी की 'शांत डिप्लोमेसी', जो न तो शोर मचाती है और न ही

श्रेय लेने की होड़ में रहती है।

देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में असली कूटनीति अक्सर सुर्खियों के पीछे घटित होती है। रूस और यूक्रेन दोनों के साथ समान स्तर पर संवाद बनाए रखने की भारत की क्षमता इस बात का प्रमाण है कि नई दिल्ली न केवल इस युद्ध के समाधान की कुंजी रखती है, बल्कि एक नई विश्व व्यवस्था के निर्माण में भी केंद्रीय भूमिका निभा सकती है। इसके अलावा, जहाँ ट्रंप युद्ध समाप्त करवाने के लिए कभी वार्ता तो कभी धमकी देने तथा कभी पेनल्टी के रूप में टैरिफ बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं वहीं मोदी चुपचाप रूस-यूक्रेन युद्ध के समापन की वास्तविक जमीन तैयार कर रहे हैं।

देखा जाये तो रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करवाने की दिशा में चल रहे प्रयासों को देख रही दुनिया के मन में इस समय यही सवाल है कि कौन-सा नेता निर्णायक भूमिका निभा सकता है– डोनाल्ड ट्रंप या नरेंद्र मोदी?

ट्रंप की भूमिका को देखें तो अमेरिका ऐतिहासिक रूप से यूक्रेन का सबसे बड़ा समर्थक रहा है। आर्थिक मदद, हथियार आपूर्ति और कूटनीतिक समर्थन तीनों ही स्तरों पर अमेरिका यूक्रेन की मदद कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद रूस से नजदीकी साधने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका की आंतरिक राजनीति और नाटो की सुरक्षा प्रतिबद्धताओं के कारण वह रूस और यूक्रेन के बीच निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं। आज भी ट्रंप के प्रयास सीमित हैं क्योंकि अमेरिका का घोषित रुख रूस के प्रति शत्रुतापूर्ण है। इसके अलावा, नाटो की रणनीतिक अनिवार्यता ट्रंप को संतुलित मध्यस्थ नहीं रहने देती। इसके अलावा, पुतिन पर अमेरिकी प्रतिबंध और सैन्य दबाव किसी भी 'विश्वसनीय संवाद' की संभावना को कमजोर करते हैं।

दूसरी ओर, भारत का रुख शुरूआत से ही अलग रहा है। मोदी ने न युद्ध का समर्थन किया, न किसी पक्ष का खुला विरोध किया। भारत ने बार-बार 'संवाद और कूटनीति' की वकालत की है। इससे मोदी की स्थिति विशिष्ट बनती है। भारत-रूस की 'Special and Privileged Strategic Partnership' दशकों पुरानी है। रक्षा, ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग के कारण पुतिन मोदी की बातों को गंभीरता से लेते हैं। साथ ही मोदी ने जेलेंस्की से भी निरंतर संपर्क बनाए रखा है। जेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा इस बात का प्रमाण है कि यूक्रेन भी भारत को भरोसेमंद मध्यस्थ मानता है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत का जी-20 अध्यक्षता काल दिखा चुका है कि भारत पश्चिम और पूर्व, दोनों खेमों के बीच पुल का काम कर सकता है। भारत न तो नाटो का हिस्सा है, न रूस का विरोधी गुट। यही तटस्थता उसे 'सच्चा मध्यस्थ' बनाती है। जहां तक यह सवाल है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने की दिशा में मोदी कैसे ट्रंप से अधिक अहम साबित हो सकते हैं? तो इसका जवाब यह है कि पुतिन ट्रंप को एक प्रतिद्वंद्वी राष्ट्र के नेता के रूप में देखते हैं, जबकि मोदी को रणनीतिक साझेदार और मित्र के रूप में देखते हैं। साथ ही ट्रंप केवल यूक्रेन या नाटो के दबाव में नहीं हैं, बल्कि अमेरिकी राजनीति से बंधे हैं। वहीं मोदी दोनों पक्षों से बिना पूर्वाग्रह बातचीत कर सकते हैं। इसके अलावा, भारत की ऊर्जा जरूरतें, आर्थिक क्षमता और भू-राजनीतिक स्थिति उसे युद्धविराम के बाद की 'शांति संरचना' में भी महत्वपूर्ण बनाती है। साथ ही मोदी की 'लीडर-टू-लीडर' डिप्लोमेसी– चाहे ट्रंप हों, पुतिन हों या जेलेंस्की, व्यक्तिगत विश्वास कायम करती है, जो युद्ध सुलझाने में निर्णायक होता है।

बहरहाल, जहाँ ट्रंप की भूमिका अमेरिका की सामरिक अनिवार्यताओं और नाटो की सीमाओं में बंधी है, वहीं मोदी एक 'तटस्थ लेकिन प्रभावशाली' नेता के रूप में उभरे हैं। यदि जेलेंस्की की भारत यात्रा होती है और वर्ष के अंत में पुतिन भी नई दिल्ली आते हैं, तो भारत दुनिया का इकलौता ऐसा मंच बन सकता है जहाँ दोनों नेताओं का संवाद संभव हो। इसलिए रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने की दिशा में डोनाल्ड ट्रंप से कहीं अधिक नरेंद्र मोदी की भूमिका निर्णायक और ऐतिहासिक साबित हो सकती है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संपादकीय

दृढ़ता है जरूरी

देश मंत्री जयशंकर ने रूस के साथ भारत के ऊर्जा संबंधों का बचाव करते हुए कहा कि भारत स्वतंत्र रूप से निर्णय लेना जारी रखेगा, अमेरिका के साथ व्यापार बातचीत में अड़चन को हास्यास्पद बताते हुए कहा कि आपको भारत से तेल या रिफाइंड़ उत्पाद खरीदने में दिक्कत है तो न खरीदें। यूक्रेन संघर्ष पर दिल्ली का रुख स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा हम रूस-युक्रेन मुद्दे का जल्द से जल्द समाधान चाहते हैं। जयशंकर ने अमेरिकी विदेश नीति की आलोचना करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप को याद दिलाया कि ओबामाकाल में वाशिंगटन ने चीन के साथ जी2 ढांचे का विचार पेश किया था। वह पहले भी स्पष्ट कह चुके हैं कि अमेरिका ही कह रहा है कि हम विश्व ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने हर

संभव प्रयास करने चाहिए जिसमें रूस से तेल खरीदना भी शामिल है। चूंकि हम अमेरिका से भी तेल खरीदते हैं इसलिए आपके (अमेरिका) तर्क से उलझन में हैं। भारत-रूस व्यापार पिछले कुछ समय में तेजी से बढ़ा है। 2021 में 13 बिलियन ड़ॉलर था, जो अब 2024-25 में बढ़ कर 68 बिलियन ड़ॉलर पहुंच चुका है जिसका बड़ा हिस्सा हाइड्रो कॉर्बन भी है। यह ट्रंप की आंख की किरकिरी बन रहा है। हालांकि भारत ने कूटनीतिक-आर्थिक बदलाव लाते हुए अपने सख्त तेवर दिखाए और अमेरिका के साथ ही यूरोपीय यूनियन की आलोचना करते हुए दोनों के रूस के साथ व्यापार जारी रखने पर प्रक्रिया दी। भारत ने अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने को भी अविवेकपूर्ण ठहराया। विदेश मंत्री के तेवरों से स्पष्ट है कि सरकार अमेरिका की धमकियों के आगे झुकने को तैयार नहीं है। इससे अंतरराष्ट्रीय ही नहीं, घरेलू स्तर पर उसे अपनी प्रतिष्ठा पर धब्बा लगता प्रतीत हो सकता है। रूसी आयात पर लगाम लगाने की बजाय भारत इराक, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात व सऊदी अरब के साथ भी आयात विस्तार का विचार कर रहा है। ऐसा नहीं है कि भारत अमेरिका को घुड़की देने मात्र के लिए अपने निर्णय पर अड़ा है, बल्कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के प्रति दृढ़ संकल्प भी है। रूस से तेल खरीद के चलते देश को 2025 में ही 3.8 अरब ड़ॉलर की अतिरिक्त बचत हो चुकी है। ट्रंप के इस टैरिफ टैरर से अमेरिकी अर्थशात्रियों से लेकर राजनेता व विशेषज्ञ भी खासे नाराज हैं। वे मान रहे हैं, यह अमेरिका के लिए दुर्भाग्यपूर्ण साबित हो सकता है। भारत सरकार ने विचारपूर्ण तरीके से ही अपना रुख सख्त रखा है। वह अब किसी दबाव के आगे नतमस्तक होते नहीं नजर आना चाहती।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साध उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

मदर टेरेसा: गरीबों की सांसों में बसने वाली संत

योगेश कुमार गोयल

मदर टेरेसा का नाम सुनते ही मानवता, करुणा और सेवा का पवित्र स्वरूप आंखों के सामने उभर आता है। उनका जीवन इस तथ्य का सबसे बड़ा प्रमाण है कि निस्वार्थ भाव से दूसरों के दुःख को दूर करने का संकल्प ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में महान बनाता है। 26 अगस्त 1910 को अल्बानिया के स्कोप्जे में एगनेस गोंझा बोयाज्यू के रूप में जन्मी इस नन्हीं बालिका ने बचपन से ही धर्म और सेवा के प्रति गहरी आस्था प्रकट की थी। जब वे केवल 12 वर्ष की थी, तभी उनके भीतर यह संकल्प जाग उठा था कि उनका जीवन केवल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित होगा। यही संकल्प आगे चलकर उन्हें पूरी मानवता के लिए करुणा की मूर्ति बना गया।

18 वर्ष की आयु में उन्होंने 'सिस्टर्स ऑफ लोरेटो' से जुड़कर धार्मिक जीवन की ओर कदम बढ़ाए और 1929 में भारत आईं। कलकत्ता स्थित सेंट मैरी स्कूल में उन्होंने अध्यापिका के रूप में कार्य करना शुरू किया। अध्यापन कार्य के दौरान वे छात्रों को केवल पढ़ाई ही नहीं, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाती थी किंतु धीरे-धीरे उनका मन स्कूल की चारदीवारी से बाहर रहने वाले निर्धन, रोगग्रस्त और बेसहारा लोगों की ओर अधिक खिंचने लगा। 1946 में दार्जिलिंग की यात्रा के दौरान उन्हें अपने जीवन का वास्तविक ध्येय मिला। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें शिक्षण कार्य से ऊपर उठकर गरीबों और असहायों की सीधी सेवा करनी चाहिए। यह क्षण उनके जीवन की दिशा बदल देने वाला साबित हुआ।

कलकत्ता की झुग्गियों और गलियों में रहने वाले लोगों की असहनीय पीड़ा को देखकर उन्होंने 1950 में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था सबसे गरीब, सबसे लाचार और सबसे उपेक्षित लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना। संस्था का ध्येय वाक्य ही था, 'सबसे गरीबों में भी सबसे गरीब की सेवा।' मदर टेरेसा ने सेवा की परिभाषा केवल भोजन और दवा देने तक सीमित नहीं रखी बल्कि उनके लिए सेवा का अर्थ था पीड़ित व्यक्ति को यह अनुभव कराना कि वह अकेला नहीं है, उसे प्यार और सम्मान मिला हुआ है। यही कारण था कि वे सदैव कहा करती थी, 'हम बड़े-बड़े कार्य नहीं कर सकते लेकिन हम छोटे-छोटे कार्य बड़े प्रेम से कर सकते हैं।'

उनके आश्रमों में केवल भोजन या उपचार की सुविधा ही नहीं दी जाती थी बल्कि वहां पीड़ित व्यक्तियों को जीवन की गरिमा और आत्मसम्मान भी लौटाया जाता था। उन्होंने कुष्ठ रोगियों को समाज में सम्मान दिलाने के लिए आश्रम बनाए, अनाथ और परित्यक्त बच्चों के लिए घर खोले और मृत्युशैया पर पड़े लोगों को अंतिम क्षणों में भी प्रेम और स्नेह का अहसास कराया। उनकी संस्था धीरे-धीरे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैल गई, जिसके सैंकड़ों केंद्र आज विभिन्न देशों में मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं। मदर टेरेसा की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया और 1980 में 'भारत रत्न' प्रदान कर सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। विश्व स्तर पर उन्हें 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित किया किंतु इन सब पुरस्कारों और मान-सम्मानों के बीच भी वे सदैव विनम्र बनी रही और स्वयं को केवल ईश्वर का साधन मानती रही।

उनके जीवन और कार्यों की इतनी ऊंचाई होने के बावजूद वे आलोचनाओं से अछूती नहीं रही। कई बार उन पर धर्मांतरण के आरोप लगाए गए तो कई बार उनके आश्रमों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी की बात उठाई गई किंतु यह निर्विवाद सत्य है कि मदर टेरेसा ने लाखों असहायों को आशा, सहारा और जीवन का सम्मान प्रदान किया। उनके कार्यों का व्यापक प्रभाव इसी से समझा जा सकता है कि वे समाज की उस परत तक पहुंची, जिसे प्रायः शासन और व्यवस्था भी अनदेखा कर देती थी। 5 सितंबर 1997 को 87 वर्ष की आयु में जब उनका निधन हुआ, तब समूचे विश्व ने उन्हें खोने का दुःख अनुभव किया। उनके अंतिम संस्कार में दुनिया के अनेक देशों के नेता उपस्थित हुए और भारत ने उन्हें राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी। उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी संस्था 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' उसी निष्ठा से मानवता की सेवा में कार्यरत है। 2016 में पोप फ्रांसिस ने उन्हें संत की उपाधि प्रदान की, जिससे उनका जीवन एक वैश्विक आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रतीक बन गया। मदर टेरेसा का जीवन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि वास्तविक महानता किसी पद, संपत्ति या शक्ति में नहीं बल्कि निस्वार्थ सेवा और करुणा में निहित है। उन्होंने यह साबित किया कि जब तक हम दूसरों के दुःख को अपना नहीं मानते, तब तक जीवन का सही अर्थ अधूरा रहता है। आज जब दुनिया हिंसा, असमानता और स्वार्थ की चपेट में है, तब मदर टेरेसा का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने सिखाया कि प्रेम और करुणा ही वह शक्ति है, जो मानवता को जोड़ सकती है। उन्होंने धर्म, जाति और भाषा की सीमाओं से परे जाकर यह बताया कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है, जिसे आगे बढ़ाना हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है। मदर टेरेसा की जयंती का अवसर केवल स्मरण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, जो हमें यह सोचने पर विवश करता है कि हम अपने जीवन में कितना समय और कितनी संवेदनशीलता समाज के जरूरतमंदों के लिए समर्पित करते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने आसपास के जरूरतमंदों के लिए थोड़ा-सा भी प्रयास करे तो समाज में फैली असमानता और पीड़ा काफी हद तक कम हो सकती है। मदर टेरेसा का जीवन हमें यही सिखाता है कि सच्चा धर्म केवल मानव सेवा है और सच्ची पूजा केवल करुणा है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

मुद्दा: नेताओं पर कम क्यों हो रहा भरोसा

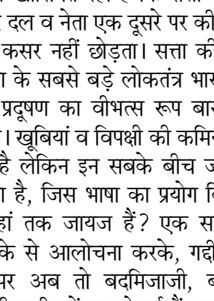

ड़ॉ. घनश्याम बादल

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर जिस तरह जनसुनवाई के दौरान राजेश भाई खीमजी भाई सकरिया नाम के व्यक्ति ने हमला किया, अपशब्दों का प्रयोग किया एवं पेशीय बल का प्रयोग किया वह चिंता का सबब है, और खतरनाक संकेत है कि हमारा लोकतंत्र सही दिशा में नहीं जा रहा। बेशक, ऐसी घटनाएं घोर निंदनीय हैं, लेकिन कई प्रश्न भी खड़े करती हैं। वैसे ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि इस तरह की घटना घटी हो।

राजनीति की खासियत रही है कि सत्ता पर कब्जे की लड़ाई में हर दल व नेता एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में कोई भी कसर नहीं छोड़ता। सत्ता की लालसा के चलते दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में अक्सर राजनीतिक प्रदूषण का वीभत्स रूप बार-बार सामने आता रहा है। खूबियां व विपक्षी की कमियां गिनाना भी गलत नहीं है लेकिन इन सबके बीच जो गरिमा का पतन हो रहा है, जिस भाषा का प्रयोग किया जा रहा है, वह कहां तक जायज हैं? एक समय था जब शालीन तरीके से आलोचना करके, गद्दी हासिल की जाती थी पर अब तो बदमिजाजी, बदजुबानी व घटियापने की सारी हदें पार हो गई हैं। छुटभैये ही नहीं बड़े से बड़े नेताओं की जुबान पर भी गरिमाहीन शब्द चढ़ गए हैं। हर एक का मंतव्य एक ही कि जैसे भी हो बस चुनावी जंग जीत लो। अब जीते कोई भी पर भविष्य में लोकतंत्र के बहुत ही खतरनाक दौर का संकेत है यह। इससे पूर्व लोक सभा चुनावों में भी ऐसी ही बानगी देखने को मिली थी।

वैसे यह गंदगी अभी की बात नहीं है। यह तो काफी पहले ही जन्म ले चुकी थी। कुछ अति वाचाल नेता असंसदीय व अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं, और ऐसे शब्द बाण चलाते रहे हैं, जो कदाचित सभ्य समाज को अस्वीकार्य होंगे। ठीक है, आक्रामक होना आपका अधिकार हो सकता है पर सर्वाजनिक जीवन में मयार्दाएं तार-तार करने का किसी का भी हक नहीं है, यह अब हमारे नेताओं को सिखाने की जरूरत हो गई है। नेताओं की भाषा या उस पर चुनाव आयोग की कार्यवाही के औचित्य पर टिप्पणी की बजाय आइए देखें कि कैसे भारतीय राजनीति में मयार्दा का स्थान जूतों, स्याही, कालिख, अंडे टमाटरों, थप्पड़ों, गालियों व असहिष्णु शब्दों ने ले लिया है।

बीफ पार्टी देने पर विधायक राशिद की पिटाई हुई, उनके मुंह पर कालिख पोती गई, एक पाकिस्तानी किताब का विमोचन करवाने के दोषी सुधीर कुलकर्णी का मुंह काला किया गया, शरद पवार, अरविंद केजरीवाल और यहां तक कि बहुत ही विनम्र ड़ॉ. मनमोहन सिंह पर भी पर जूता उछला, चिदंबरम पर चप्पल फेंकी गई, प्रशांत भूषण पिटे, अन्ना पर भी वार हुआ, दिग्विजय को गालियां मिलीं, केजरीवाल को चप्पल, थप्पड़ व स्याही मिले, गोपाल यादव का मुंह काला किया गया और भी ऐसे कितने ही उदाहरण दिए जा सकते हैं।

आखिर, हम कर क्या रहे हैं? किस युग में जी रहे हैं? और किस अंधयुग की तरफ जा रहे हैं? किसी भी तर्क का सहारा लेकर जूतों, थप्पड़ों, गालियों को लोकतंत्र में सही नहीं ठहराया जा सकता परंतु सोचने वाली बात यह भी है कि ऐसी स्थिति आती ही क्यों हैं, गहरी छानबीन की जरूरत है।

यदि समस्या की जड़ में जाने से बच कर विपक्षी की जलालत पर हम हंसते रहे तो फिर लोकतंत्र की तस्वीर भयावह होने जा रही है। लोकतंत्र में सबको अपने-अपने तरीके से रहने, बोलने, सोचने व खाने-पीने की छूट तो है पर किसी की भावनाओं से खिलवाड़ करने का हक लोकतंत्र नहीं देता, यह बात जहां नेताओं को आम जन को समझानी चाहिए वहीं वे खुद ही ऐसा करके माहौल खराब करते रहे हैं। क्या अब नहीं मान लेना चाहिए कि सत्ता की भूख कुछ भी नैतिक-अनैतिक नहीं देख पाती। इसलिए भावनाएं भड़का कर सत्ता सुख लूटने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, और खेद का विषय है कि एक भी दल इससे बच नहीं पा रहा है। जनतंत्र में मतभेद स्वाभाविक है।

देश का आम जन और वोटर अभी तक भी नहीं जान पाया है कि चुनावों के हसीन सपने अलग बात हैं पर सत्ता में आने पर सेवा, जनकल्याण व समस्या निवारण कहने की बातें रह गई हैं। सत्ता के ईद गिर्द शायद कहीं कुछ ऐसा है जो कुछ सार्थक करने नहीं देता। वह क्या है? जब सब कुछ जानते हुए भी चुप्पी ओढ़े तटस्थ होने का ढोंग बुद्धिजीवी करते हैं तो लगता है जैसे वे भी इस पाप में शामिल हैं। बुद्धिजीवी लोकतंत्र को एक अंधेरे गड्ढे में जाते हुए चुपचाप देखते हैं, तो फिर भविष्य कैसा होगा, सोचा जा सकता है। पावर, पॉलिटिक्स व पैसों का खेल अब बेलगाम हो गया है। सरकारें भले ही बदलें, चेहरे भले ही बदलें पर प्रवृत्ति नहीं बदल रही। कालिखों, जूतों, गालियों का होना लोकतंत्र में सही नहीं है पर ऐसी स्थिति आती ही क्यों है, इस पर भी छानबीन की जरूरत है। भविष्य में लोकतंत्र के लिए खतरनाक दौर का संकेत है।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

संक्षिप्त समाचार

युद्ध खत्म कराने में भूमिका निभाए भारत, यूक्रेनी राजदूत बोले– बातचीत के जरिये समस्याओं का निकले हल

मास्को , एजेंसी। रूस–यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने के लिए भारत और ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाए, क्योंकि यूक्रेन शांति वार्ता में भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण मानता है। रूस का पुराना सहयोगी होने के चलते भारत यह कार्य कर सकता है। यह बात भारत में यूक्रेन के राजदूत ओलेक्जेंडर पोलिशचुक ने कही है। यूक्रेन के नेशनल फ्लैग डे पर साक्षात्कार में पोलिशचुक ने कहा कि भारत के साथ उनके देश की बातचीत 2023 से बढ़ी है। उस समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि रूस–यूक्रेन युद्ध में भारत तटस्थ नहीं है, भारत शांति के पक्ष में है और बातचीत के जरिये समस्याओं को सुलझाने का समर्थन करता है। भारतीय प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद यूक्रेन ने युद्ध खत्म कराने के लिए भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण माना और अब शांति वार्ता में शामिल होने की उम्मीद कर रहा है। इस बीच युद्ध में शनिवार को यूक्रेन ने रूस की राजधानी मॉस्को पर ड्रोन हमले की कोशिश की। इसके चलते मॉस्को और उसके आसपास के शहरों का हवाई यातायात कई घंटे रुका रहा। रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने मॉस्को पहुंचने से पहले इन ड्रोन को मार गिराया। इस दौरान किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। रूस के तेल आपूर्ति तंत्र पर गुरुवार रात यूक्रेन के हमले से हंगरी और स्लोवाकिया की तेल आपूर्ति कम से कम पांच दिनों के लिए ठप हो गई। यूक्रेनी ड्रोन हमले से रूस में भीषण आग लग गई है जिसे तेल आपूर्ति बंद करके नियंत्रित किया जा रहा है। यूक्रेन ने रूस की द्रुज्बा तेल पाइपलाइन और कुछ अन्य स्थानों पर हमले किए हैं। जबकि रूस ने भी यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले किए हैं जिससे आने वाले सर्दी के मौसम में यूक्रेनी नागरिकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यूरोपीय देशों ने यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद 2022 से रूस से तेल और गैस की आपूर्ति काफी कम कर दी है। उनकी योजना 2027 तक इस आपूर्ति को शून्य कर देनी है। लेकिन यूरोपीय संघ के सदस्य हंगरी और स्लोवाकिया ने रूस से अपने रिश्ते बनाए रखे हैं। उन्होंने रूस पर लगाए प्रतिबंधों का भी विरोध किया है। दोनों देशों ने द्रुज्बा पाइपलाइन से होने वाली तेल आपूर्ति रोकने के प्रयास की निंदा की है।

शराब पीकर गाड़ी चलाने के पुराने मामलों में निर्वासन का खतरा, ट्रंप प्रशासन ने डीयूआई एक्ट का समर्थन किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के एचआर.875 या प्रोटेक्ट आवर कम्युनिटीज फ्रॉम डीयूआई एक्ट का समर्थन करने से अप्रवासी समुदाय, खासकर भारतीय प्रवासियों के लिए खतरा बढ़ गया है। शराब पीकर गाड़ी चलाने (डीयूआई–ड्राइव अंडर इन्फ्लूएंस) के पुराने मामलों में अब अमेरिका में निर्वासन के खतरे की घंटी से ग्रीन कार्ड व वीजा धारकों की चिंता बढ़ गई है। यह विधेयक हाउस में पास हो चुका है और अब इसे सीनेट में समर्थन मिल रहा है, जिसे व्हाइट हाउस का भी समर्थन प्राप्त है।अभी तक, कम गंभीर डीयूआई अपराधों के कारण आमतौर पर निर्वासन या अमेरिका में प्रवेश पर रोक नहीं लगती थी। लेकिन, विल के कानून बनने से स्थिति बदल जाएगी। आप्रवासन वकील जोसेफ त्सांग ने कहा, कानून बना तो किसी भी गैर अमेरिकी नागरिक को सिर्फ एक पुराने डीयूआई रिकॉर्ड के आधार पर अमेरिका से बाहर निकाला जा सकता है या उसे वापस आने से रोका जा सकता है। इस खतरे को देखते हुए, आप्रवासन वकील उन सभी ग्रीन कार्ड धारकों को सलाह दे रहे हैं जो नागरिकता के लिए पात्र हैं कि वे तुरंत इस प्रक्रिया को शुरू करें। इसके अलावा, जिन लोगों के पास डीयूआई का रिकॉर्ड है, उन्हें जल्द से जल्द कानूनी सलाह लेने और अपनी रक्षा के लिए मजबूत कदम उठाने की सलाह दी गई है।इस बिल का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह है कि इसमें दोषी ठहराए जाने की भी जरूरत नहीं है। एक लॉ फर्म, लैंडरहोम इमिग्रेशन, के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति ने कभी शराब पीकर गाड़ी चलाने की बात स्वीकार भी की होगी तो उसको अमेरिका में रहने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। यह नियम तब भी लागू होगा जब आरोप हटा दिए गए हों या घटना कई साल पहले हुई हो। यह एक बेहद कठोर और व्यापक मानक है। त्सांग ने कहा, इसमें कोई दो राय नहीं कि डीयूआई गंभीर है क्योंकि यह जान ले लेती है और दर्द देती है। इसका उद्देश्य हमारे समुदायों को सुरक्षित बनाना है और यह एक ऐसा लक्ष्य है जिसे हम सभी साझा करते हैं। लेकिन इस बिल के मामले में मुद्दा आनुपातिकता और प्रक्रिया का है। यह विधेयक व्यक्ति के संदर्भ या सुधार की संभावना पर विचार नहीं करता। जैसे दस वर्ष पुराने डीयूआई रिकॉर्ड वाला ग्रीन कार्ड धारक के विदेश जाने पर बिल उसके वापस लौटने से पहले कानून बनता है, तो उसे देश में प्रवेश से रोका जा सकता है।

गाजा में इजरायल के भीषण हमले जारी, हवाई हमले में 33 फलस्तीनियों की मौत

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में बेघर और भूखे-प्यासे फलस्तीनियों पर इजरायली हमले जारी हैं। टेंट में रह रहे और खाना लेने गए लोगों पर हवाई हमले और फायरिंग में शनिवार को 33 लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र द्वारा सबसे बड़े शहर गाजा सिटी और उसके आसपास के इलाके को अकालग्रस्त घोषित किए जाने के बाद इजरायली सेना ने यह कार्रवाई की है।

हवाई हमले में 17 लोग मारे गए

नीदरलैंड्स के विदेश मंत्री कैस्पर वेल्डकैंप ने गाजा पर कार्रवाई को लेकर इजरायल पर प्रतिबंध लगाने में सरकार के विफल रहने के बाद इस्तीफा दे दिया है। शनिवार तड़के खान यूनिस शहर के बाहर लगे विस्थापितों के टेंट पर हुए हवाई हमले में 17 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए। मारे गए लोगों में आधी संख्या महिलाओं और बच्चों की है।

मारे गए दो बच्चों के चाचा अवाद अबू अगला ने कहा कि गाजा में कोई भी जगह और कोई भी व्यक्ति सुरक्षित नहीं है। सभी जगह बमबारी हो रही है। जबकि उत्तरी गाजा में जिकिम क्रासिंग के निकट खाना लेने गए लोगों पर फायरिंग में पांच लोग मारे गए हैं। अन्य स्थानों पर हुए इजरायली हमलों में 11 लोग मारे गए हैं।

इजरायली सेना ने जारी किया बयान

इजरायली सेना ने कहा है कि सैनिकों के लिए खतरा पैदा होने पर हवाई फायरिंग की गई थी। किसी को निशाना बनाकर गोली नहीं चलाई गई। कुछ वर्षों पहले इजरायल को मान्यता देने वाले अरब देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने गाजा की स्थिति और वेस्ट बैंक को बांटने की इजरायली योजना की कड़ी निंदा की है।

इजरायल पर हाउती का ड्रोन हमला, कई घायल

शनिवार तड़के यमन के ड्रोन हमले में इजरायली शहर तेल अवीव में कई लोग लोग घायल हुए और हजारों लोगों को कई घंटे तक भूमिगत सुरक्षित स्थलों में रहना पड़ा। इस हमले के चलते शहर के बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमानों का आवागमन घंटों बाधित रहा।

शनिवार रात हवाई अड्डे पर यातायात सामान्य हो सका। इजरायली सेना ने दावा किया है कि यमनी हवाई हमले को रोकने की कई कोशिशों के बाद ड्रोनों को गिराया जा सका। इससे कुछ अव्यवस्था पैदा हुई। विदित हो कि यमन के हाउती संगठन ने दो हजार किलोमीटर दूरी से यह हमला किया था।

एमीन एर्दोगन ने मेलानिया से गाजा के लिए आवाज उठाने को कहा

तुर्किये की प्रथम महिला एमीन एर्दोगन ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया को पत्र लिखकर गाजा के बच्चों और महिलाओं के लिए भी आवाज उठाने का अनुरोध किया है। मेलानिया ने हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पति ट्रंप के जरिये पत्र देकर यूक्रेन में बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए जल्द युद्ध खत्म करने का अनुरोध किया था।

फटेहाल पाकिस्तान में फैक्ट्रियों से ज्यादा हैं मस्जिद और मदरसे, रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में हाल ही में पहली बार आर्थिक जनगणना का आंकड़ा जारी हुआ है। इस रिपोर्ट ने सबको चौंका दिया है, क्योंकि पाकिस्तान में मस्जिदों और मदरसों की संख्या उद्योग-कारखानों से कहीं ज्यादा है। पाक के योजना मंत्री अहसान इकबाल ने यह रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में करीब 6 लाख मस्जिदें हैं जबकि सिर्फ 23 हजार फैक्ट्रियां चल रही हैं। इतना ही नहीं, 36 हजार धार्मिक मदरसे भी दर्ज किए गए हैं जो फिर से उद्योग से ज्यादा है।

हालांकि, छोटे उत्पादन यूनिट की संख्या 6.43 लाख बताई गई है। यह आंकड़ा पाकिस्तान की जनगणना से इकट्ठा किया गया और 21 अगस्त को आधिकारिक तौर पर जारी किया गया।यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब पाकिस्तान अपनी डूबती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (ढ्रख्न) से 7 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज की दूसरी समीक्षा पर काम कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मदरसों और मस्जिदों की सबसे ज्यादा संख्या पंजाब प्रांत में है। डेटा के अनुसार, पाकिस्तान में 4 करोड़ स्थायी यूनिट मौजूद हैं। इनमें से 72 लाख रोजगार वाले ढांचे हैं, जहां साल 2023 तक 2.54 करोड़ लोग काम कर रहे थे। सबसे ज्यादा लोग सर्विस सेक्टर में काम कर रहे हैं।

रिपोर्ट जारी करते हुए अहसान इकबाल ने कहा, विश्वसनीय आंकड़े ही स्थायी विकास की रीढ़ हैं। इससे नीतियां सही तरह से बनती हैं और फैसले लेने में आसानी होती है।

हसीना के पतन का असर: बांग्लादेश-पाकिस्तान की नजदीकी बढ़ी, 13 साल बाद ढाका पहुंचे पाक विदेश मंत्री

ढाका, एजेंसी। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार शनिवार को बांग्लादेश की राजधानी ढाका पहुंचे। यह 2012 के बाद पहली बार है जब पाकिस्तान का कोई इतना बड़ा अधिकारी बांग्लादेश गया है। बीते 72 घंटों में दोनों देशों के कई बड़े नेताओं और सैन्य अधिकारियों की मुलाकातें हो चुकी हैं।डार ने कहा कि वह बांग्लादेश के अंतरिम नेता मोहम्मद यूनुस से भी मुलाकात करेंगे। रविवार को दोनों देशों के बीच एक व्यापार समझौता होने की उम्मीद है।

भारत पर नजर : विश्लेषकों का मानना है कि यह दौरा भारत के लिए चिंता का विषय हो सकता है। अगस्त 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से भारत-बांग्लादेश रिश्ते तनावपूर्ण हैं। वहीं, पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध अप्रैल के पहलगाम हमले और मई में हुए सैन्य संघर्ष के बाद बेहद नाजुक हो गए हैं। अमेरिकी विश्लेषक माइकल कूगलमान के मुताबिक, बांग्लादेश कभी भारत का सबसे करीबी साझेदार रहा है, लेकिन अब वह भारत के प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ नजदीकियां बढ़ा रहा है।

बदलती विदेश नीति : शेख हसीना को भारत में शरण मिलने के बाद बांग्लादेश ने पाकिस्तान के साथ समुद्री व्यापार शुरू किया। फरवरी 2025 में दोनों देशों ने सरकारी स्तर पर व्यापार बढ़ाने का ऐलान किया।

पिछले हफ्ते पाकिस्तान के वाणिज्य मंत्री जाम कमाल खान ने ढाका में निवेश बढ़ाने के लिए ज्वाइंट कमीशन बनाने पर सहमति जताई। इसके बाद शुक्रवार को दोनों देशों के शीर्ष सैन्य कमांडर भी मिले।

1971 की छाया और नई राजनीति : बांग्लादेश कभी पाकिस्तान का हिस्सा रहा है और 1971 में अलग होकर स्वतंत्र हुआ था। आज भी ढाका के कई लोग पाकिस्तान से उस दौर की हत्याओं और अत्याचारों के लिए माफी की मांग करते हैं.। लेकिन मौजूदा अंतरिम नेता मोहम्मद यूनुस का रुख अलग है। वे भारत पर आरोप लगाते हैं कि उसने शेख हसीना को गंभीर अपराधों से बचाया। हसीना पर 2024 के छात्र आंदोलन को बलपूर्वक दबाने का आरोप है। यही आंदोलन इतना बड़ा हुआ कि उन्हें देश छोड़कर भारत भागना पड़ा।

थॉमस कीन (इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप) का कहना है, हसीना का पतन भारत के लिए रणनीतिक झटका था, और बांग्लादेश-पाकिस्तान की नजदीकियां उसी का नतीजा हैं। फिलहाल, बांग्लादेश ने आवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया है और फरवरी 2026 में चुनाव होंगे। ढाका का आरोप है कि भारत अब भी आवामी लीग का समर्थन कर रहा है, जबकि भारत का कहना है कि उसकी जमीन किसी भी विदेशी राजनीतिक गतिविधि के लिए इस्तेमाल नहीं होती।

विदेश में गुपचुप दूसरी शादी रचाना पड़ा महंगा, भारतीय शख्स अब भुगत रहा जेल, कैसे खुली पोल

सिंगापुर, एजेंसी। एक भारतीय शख्स को विदेश में गुपचुप शादी रचाना काफी महंगा पड़ गया। अब दो शादियां रचाने के आरोप में इस व्यक्ति को जेल की सजा हो गई है। आरोपी की पहचान 49 वर्षीय वैथियालिंगम मुथुकुमार के रूप में हुई है। इस व्यक्ति ने 15 साल पहले पहला विवाह रचाया था। गौरतलब है कि सिंगापुर में दो शादियां रचाना कानूनन अपराध है। मुथुकुमार को तीन महीने और तीन हफ्ते की जेल की सजा सुनाई गई है।

सहकर्मी के साथ अफेयर : मुथुकुमार की पहली शादी साल 2007 में हुई थी। साल 2011 में सिंगापुर में उनका अपनी सहकर्मी के साथ अफेयर शुरू हो गया। हैरानी की बात यह है कि जिस महिला, सलमा बी अब्दुल रज्जाक के साथ मुथुकुमार का अफेयर था, उसे पता था कि वह शादीशुदा हैं। इसके बावजूद वह सिंगापुरी महिला मुथुकुमार के शादी रचाने के लिए तैयार हो गई। बताया जाता है मुथुकुमार ने उसके ऊपर शादी के लिए काफी दबाव डाला था। मुथुकुमार ने कहा था कि उसे एक बच्चा चाहिए। इतना ही नहीं, उसने सलमा से यह भी वादा किया था कि वह अपनी पहली पत्नी को तलाक दे देगा।

ऐसे खुली पोल : अगस्त 2022 में दोनों ने मुस्लिम रीति-रिवाज से शादी कर ली। एक भारतीय मुस्लिम धर्मगुरु ने दोनों की शादी रजिस्टर कराई। रिपोर्ट के मुताबिक शादी के बाद दोनों वापस सिंगापुर पहुंच गए।

यहां पर मुथुकुमार अपनी पहली पत्नी के साथ ही रहता था। हालांकि बीच-बीच में समय निकालकर वह सलमा से मिलने जाया करता था। 14 सितंबर 2023 को सलमा ने एक बच्चे को जन्म दिया। इसी समय मुथुकुमार की पोल खुल गई। असल में मुथु की पहली पत्नी उसी अस्पताल में काम करती थी, जहां सलमा के बच्चे का जन्म हुआ था। जब उसने मुथु को डिलीवरी सुइट से बाहर आते देखा तो उसे शक हुआ। उसे पता था कि यह सुइट किसी आने-जाने वाले के लिए नहीं खोला जाता। ऐसे में उसने मुथु से पूछताछ शुरू कर दी। इसके बाद मुथु ने उसे अपनी दूसरी शादी और बच्चे के जन्म के बारे में बताया।

रिजेक्ट हो गया अप्लीकेशन : इसके बाद मुथुकुमार ने सिंगापुर में स्थायी निवास के लिए अप्लाई किया। कानूनी दस्तावेजों में उसने झूठ बोला कि उसकी दूसरी कोई शादी नहीं हुई है। हालांकि एक महीने बाद सलमा ने मंत्रालय को बता दिया कि मुथु ने दो शादियां की हैं। इसके बाद उसका अप्लीकेशन रिजेक्ट हो गया। इसके बाद मामला शीर्ष अधिकारियों तक पहुंचा। अधिकारियों ने कहा कि उसने अपनी दोनों पत्नियों को धोखा दिया है। जहां उसने पहली पत्नी को दूसरी शादी की बात नहीं बताई। वहीं, दूसरी पत्नी से यह कहकर विवाह रचाया कि वह पहली पत्नी को तलाक दे देगा।

अफगानिस्तान से जाते वक्त अमेरिका छोड़ गया था हथियार, अब पाकिस्तान के खिलाफ इस्तेमाल कर रहा तालिबान

काबुल , एजेंसी। पाकिस्तान ने अमेरिका से कहा है कि वह अफगानिस्तान में छोड़े गए हथियार वापस ले। ये हथियार आतंकवादियों के हाथों में जा रहे हैं और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे हैं। अफगानिस्तान से वापसी के दौरान बड़ी मात्रा में सैन्य हथियार वहीं छूट गए थे।

पाकिस्तानी सैन्य प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि अमेरिकी हथियारों का अनियंत्रित प्रसार पाकिस्तान की स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन द्वारा अनुमानित सात अरब डॉलर से अधिक मूल्य के अमेरिकी हथियारों के भंडार में बख्तरबंद वाहन, उन्नत आग्नेयास्त्र, बायोमीट्रिक सिस्टम और अन्य संवेदनशील उपकरण शामिल हैं।

माना जाता है कि इनमें से कई हथियार पाकिस्तानी तालिबान द्वारा जब्त कर लिए गए और अब

पाकिस्तान सेना के खिलाफ इस्तेमाल किए जा रहे हैं। खोस्त और पक्तिका जैसे अफगान के ब्लैक मार्केट में अमेरिका निर्मित हथियारों की कीमतें आसमान छू रही हैं। एक एम4 राइफल 4,200 डॉलर से अधिक में बिकती है, जबकि एक एम16 राइफल 1,400 डॉलर में बिकती है।चीनी राइफलें कम दामों पर उपलब्ध हैं, लेकिन आतंकी अमेरिकी मॉडलों की विश्वसनीयता और गुणवत्ता को ज्यादा पसंद करते हैं। द वाशिंगटन पोस्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि नाटो द्वारा आपूर्ति किए गए 4,00,000 हथियार तालिबान के नियंत्रण में हो सकते हैं।

तीन अस्पताल, 460 महिलाओं की गुप्त वीडियो ऑस्ट्रेलिया के डॉक्टर पर गंभीर आरोप

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई अस्पतालों के शौचालयों में गुप्त रूप से वीडियो रिकॉर्डिंग करने के आरोपी प्रशिक्षु सर्जन को शुक्रवार को जमानत पर रिहा कर दिया गया। विक्टोरिया राज्य के सर्वोच्च न्यायालय के दस्तावेजों में पुलिस ने आरोप लगाया है कि 28 वर्षीय रयान चो पर लगभग 500 आरोप लग सकते हैं, जो 2021 से मेलबर्न के तीन अस्पतालों के स्टाफ शौचालयों में फोन से गुप्त रूप से रिकॉर्ड किए गए 4,500 अंतरंग वीडियो से संबंधित हैं।

सशर्त जमानत पर रिहाई का आदेश : न्यायमूर्ति जेम्स इलियट ने फैसला सुनाया कि जूनियर डॉक्टर को इस शर्त पर रिहा किया जाए कि वह अपने माता-पिता के साथ रहे, जो अपने बेटे की रिहाई की उम्मीद में सिंगापुर से मेलबर्न आए थे। उनके माता-पिता को 50000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (32000 अमेरिकी डॉलर) की जमानत देनी होगी। दूसरी ओर अभियोजक ने तर्क दिया कि आरोप लगने के बाद चो ने भागने की कोशिश की थी। नौकरी से निलंबित होने के बाद ऑस्ट्रेलिया से उसका कोई मजबूत संबंध नहीं था।

हैमिल ने कहा कि चो अप्रैल में ऑस्ट्रेलिया का स्थायी निवासी बन गया था, लेकिन अगर उसे दोषी ठहराया गया और 12 महीने या उससे अधिक की जेल की सजा सुनाई गई, तो उसे निर्वासिन का सामना करना पड़ेगा। जज ने कहा कि चो ने अपना सिंगापुर पासपोर्ट जमा कर दिया था और ऑस्ट्रेलिया छोड़ने में उसकी कोई आपराधिक भूमिका नहीं थी।

460 महिलाओं की अंतरंग तस्वीरें रिकॉर्ड करने का आरोप : पुलिस का आरोप है कि चो ने कम से कम 460 महिलाओं की अंतरंग तस्वीरें रिकॉर्ड कीं। जज ने कहा कि चो पर उन तस्वीरों को प्रसारित करने का कोई आरोप नहीं है। चो को जुलाई में ऑस्टिन अस्पताल के शौचालय में एक जालीदार बैग के अंदर से रिकॉर्डिंग करते हुए फोन मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। पुलिस का आरोप है कि उसने पीटर मैक्कलम कैंसर सेंटर और रॉयल मेलबर्न अस्पताल के शौचालयों में भी रिकॉर्डिंग की थी।

दूसरी ओर चो के वकील जूलियन मैकमोहन ने अभियोजकों की इस आशंका को खारिज कर दिया कि रिहाई के बाद चो गवाहों के काम में दखल दे सकता है। मैकमोहन ने कहा कि ऐसे अपराधों के लिए सैकड़ों गवाह होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यह धारणा है कि अगर मेरा मुवक्किल गवाहों के काम में दखल देने के आपराधिक कृत्य में शामिल होता है, तो इससे मामले के परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

2017 में ऑस्ट्रेलिया आया चो : चो पर शुरू में छह अपराधों का आरोप लगाया गया था, लेकिन गुरुवार को 127 और आरोप जोड़े गए, जिनमें बिना अनुमति के जानबूझकर अंतरंग तस्वीरें रिकॉर्ड करना शामिल है। मैकमोहन ने कहा कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि आरोपों पर मुकदमा चलेगा या नहीं। चो ने अभी तक कोई दलील नहीं दी है। चो 2017 में एक छात्र के रूप में ऑस्ट्रेलिया आया और मेलबर्न के मोनाश विश्वविद्यालय में डॉक्टर की पढ़ाई की।

पुतिन से मुलाकात के बाद बदले ट्रंप के तेवर, दो हफ्ते में रूस पर लगेगा प्रतिबंध? अमेरिकी राष्ट्रपति ने दिए बड़े संकेत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि दो हफ्ते में उन्हें पता चल जाएगा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को समाप्त करने के उनके प्रयास में प्रगति संभव है या नहीं। उन्होंने फिर रूस पर प्रतिबंध लगाने की संभावना जताई।

ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि शांति स्थापना के प्रयासों के किसी भी पहलू से वह खुश नहीं हैं। एक हफ्ते पहले ही ट्रंप ने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से वार्ता की थी। वह अभी तक उन्हें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक के लिए सहमत नहीं कर पाए हैं।

ट्रंप ने कहा, उनमें बहुत अधिक नफरत है। लेकिन देखते हैं कि क्या होता है। मुझे लगता है कि दो हफ्ते में हमें पता चल जाएगा कि मैं किस राह पर जा रहा हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह तभी तय करेंगे कि बड़े प्रतिबंध लगाने हैं या कुछ नहीं करना है और उनसे कहना है कि यह आपकी लड़ाई है।

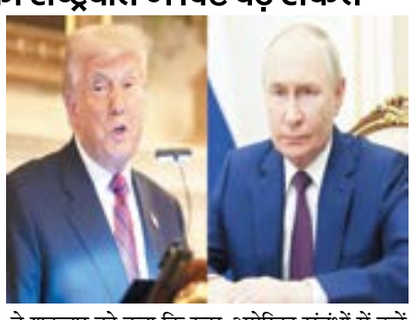

पुतिन को रूस–अमेरिका संबंधों में दिख रही उम्मीद की किरण : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को कहा कि रूस-अमेरिका संबंधों में उन्हें उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है। एक परमाणु अनुसंधान केंद्र के दौरे के दौरान पुतिन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के आने से मुझे उम्मीद की किरण दिखाई देने लगी है। अलास्का में हमारी एक बहुत अच्छी, सार्थक और स्पष्टवादी बैठक हुई। आगे के कदम अब अमेरिका के नेतृत्व पर निर्भर हैं। लेकिन मुझे विश्वास है कि वर्तमान राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व के गुण इस बात की गारंटी हैं कि संबंध बहाल होंगे।

मीराबाई चानू ने गोल्ड मेडल जीतकर किया कमबैक, कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में किया रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंजरी के बाद वेटलिफ्टर स्टार मीराबाई चानू ने बेहतरीन कमबैक किया है। दरअसल, एक साल के लंबे इंतजार के बाद वापसी करते हुए मीराबाई चानू ने सोमवार को अहमदाबाद में राष्ट्रमंड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में नए रिकॉर्ड बनाकर गोल्ड मेडल जीता है। टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वजन वर्ग में कुल 193 किग्रा वजन उठाकर कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में कुल, स्नैच और क्लीन एंड जर्क के रिकॉर्ड तोड़कर पहला स्थान हासिल किया।

बता दें कि , 31 वर्षीय खिलाड़ी इससे पहले 49 किग्रा में भाग लेती थी लेकिन यह वजन वर्ग अब ओलंपिक में शामिल नहीं है। मीराबाई ने पिछले साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। पेरिस ओलंपिक में वह चौथे स्थान पर रही थीं।

वहीं चोटिल होने के कारण वह पिछले एक साल में किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाई थीं जिस कारण उन्हें लय हासिल करने में भी समय लगा। स्नैच में 84 किग्रा के अपने पहले प्रयास में वह लड़खड़ा गईं। उनके दाहिने घुटने में तकलीफ़ दिखाई दी, लेकिन दूसरे प्रयास में उन्होंने उतना ही वज़न उठाया। 89 किग्रा का उनका तीसरा प्रयास भी असफल रहा। कोई वास्तविक प्रतिस्पर्धा न होने के कारण मीराबाई असल में खुद से ही मुकाबला कर रही थीं।

मीराबाई ने क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा भार उठाकर शुरुआत की। उन्होंने इसे बढ़ाकर 109 किग्रा कर लिया, लेकिन 113 किग्रा का अपना अंतिम प्रयास पूरा नहीं कर सकीं। मलेशिया की इरीन हेनरी ने 161 किग्रा (73 किग्रा + 88 किग्रा) वजन उठाकर रजत पदक, जबकि वेल्स की निकोल रॉबर्ट्स ने 150 किग्रा (70 किग्रा + 80 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। मीराबाई ने इस तरह से 48 किग्रा में सफल वापसी की। उन्होंने इसी वजन वर्ग में अपना विश्व चैम्पियनशिप खिताब और राष्ट्रमंडल खेलों में दो पदक जीते लेकिन 2018 के बाद वह 49किग्रा वर्ग में चुनौती पेश कर रही थी।

सौम्या दलवी ने जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप: 25मी. पिस्टल स्पर्धा में पदक से चूकी मनु भाकर, जूनियरों ने मारी बाजी

शिमकेंट (एजेंसी)। दो ओलंपिक पदक जीत चुकी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पदक से चूक गई और चौथे स्थान पर रही जबकि जूनियर वर्ग में भारतीयों का दबदबा रहा। भारत की ही ईशा सिंह आठ महिलाओ के फाइनल में छठे स्थान पर रही।

मनु ने 25 स्कोर किया और तीसरे स्थान पर रही वियतनाम की तू विन्ह त्रिन्ह से चार अंक पीछे रही। महिला जूनियर 25 मीटर पिस्टल फाइनल में भारत की पायल खत्री को 36 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक मिला जबकि नाम्या कपूर (30) ने रजत और तेजस्विनी (27) ने कांस्य पदक जीता। इन तीनों ने 1700 अंक के साथ टीम वर्ग में भी रजत पदक अपने नाम किया।

कोरिया को स्वर्ण और कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। नाम्या और तेजस्विनी क्वालीफिकेशन में पहले दो स्थान पर रही जबकि पायल छठे स्थान पर रही थी। इससे पहले सीनियर वर्ग में चीन की यू यू झांग ने स्वर्ण और जियारूइशुआन शियाओ ने रजत पदक जीता। मनु, ईशा और सिमरनप्रीत कौर बरार की भारतीय तिकड़ी ने 1749 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। वे चीन और दक्षिण कोरिया से पीछे रहे। ईशा क्वालीफिकेशन में शीर्ष रही थी जबकि मनु चौथे स्थान पर रही थी।

एशिया कप से पहले संजू सैमसन ने शतक जड़ा, मुहम्मद आशिक ने रोमांचक मैच में दिलाई जीत

स्पोर्ट्स डेस्क। संजू सैमसन ने 51 गेंदों पर 121 रनों की तूफानी पारी खेलकर बिकी रात को रोशन कर दिया, लेकिन मुहम्मद आशिक के वाह-वाही लूटने में कामयाब रहे क्योंकि जब कोच्चि ब्लू टाइगर्स को एक गेंद पर छह रन की जरूरत थी तो उन्होंने सिक्सर लगाकर रोमांचक जीत दिलाई और एरीज कोल्लम सेलर्स को चार विकेट से हरा दिया। कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने लगातार तीसरी जीत के साथ अपना विजयी अभियान जारी रखा जो अब अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। वहीं एरीज कोल्लम सेलर्स एक जीत और दो हार के साथ चौथे स्थान पर है। 237 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए कोच्चि ब्लू टाइगर्स को आखिरी ओवर में 17 रनों की जरूरत थी। मुहम्मद आशिक ने पहली दो गेंदों पर एक चौका और एक छक्का लगाकर मुकाबले को जीवंत रखा। लेकिन गेंदबाज शराफुद्दीन ने अगली तीन गेंदों पर संयम बनाए रखा और सिर्फ एक बाई रन दिया, जबकि अल्फी फ्रांसिस जॉन रन आउट हो गए। आखिरी गेंद पर छह रन चाहिए थे, ऐसे में मुहम्मद आशिक ने सिक्स लगाकर अपनी टीम के लिए मैच जीत लिया। वह 18 गेंदों पर तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 45 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं इससे पहले संजू सैमसन ने साबित किया कि एशिया कप के लिए उन्हें चुनकर कोई गलती नहीं की है। सैमसन ने सिर्फ 51 गेंदों पर 14 चौकों और सात छक्कों की मदद से 121 रनों की

तूफानी पारी खेलकर गेंदबाजों को मुश्किल में डाल दिया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए एरीज कोल्लम सेलर्स ने 5 विकेट पर 236 रन बनाए। विकेटकीपर-बल्लेबाज विष्णु विनोद (41 गेंदों पर 94) और सचिन बेबी (44 गेंदों पर 91) ने दूसरे विकेट के लिए 66 गेंदों पर 143 रनों की शानदार साझेदारी की।

ड्रीम 11 के हटने के बाद नए स्पोंसर की तलाश में बीसीसीआई, जानें एशिया कप से पहले नया प्रायोजक मिलेगा या नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। फैंटेसी स्पोर्टस कंपनी ड्रीम 11 अब भारतीय क्रिकेट टीम की टाइटल स्पोंसर नहीं है और बोर्ड ने उसके विकल्प की तलाश शुरू कर दी है लेकिन यह अगले महीने एशिया कप से पहले होने की संभावना नहीं है। हाल ही में पारित 'ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025' के तहत सरकार के वास्तविक धन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने के बाद ड्रीम11 अब भारतीय क्रिकेट टीम का टाइटल प्रायोजक नहीं है।

BCCI सचिव देवाजीत सैकिया ने इसकी पुष्टि की कि ड्रीम11 के साथ करार खत्म हो गया है और BCCI विभिन्न राष्ट्रीय टीमों के लिये नये टाइटल प्रायोजक की तलाश की प्रक्रिया में है। सैकिया ने कहा, 'हमारा रूख स्पष्ट है। नियम बनने के बाद BCCI ड्रीम 11 या अन्य गेमिंग कंपनी के साथ प्रायोजन करार नहीं रख सकती। नए नियम के तहत अब इसकी कोई गुंजाइश ही नहीं है।' उन्होंने कहा, 'इसलिए हम दूसरे विकल्प तलाश रहे हैं और प्रक्रिया जारी है। हम प्रायोजक की तलाश में है और अभी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। कुछ तय होने पर हम मीडिया को जानकारी देंगे।' क्रिकेट एक ऐसा खेल है जिसमें वास्तविक धन की गेमिंग का चलन काफी बढ़ गया है। भारतीय टीम का टाइटल प्रायोजक ड्रीम 11 था और इंडियन प्रीमियर लीग का आधिकारिक फैंटेसी स्पोर्ट्स भागीदार वास्तविक धन वाला ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म 'माई11 सर्कल' है। ड्रीम 11 ने भारतीय टीम के टाइटल अधिकार लगभग 44 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 358 करोड़ रुपये) में खरीदे थे। उनका करार खत्म होने में अभी एक साल बाकी है लेकिन इसके लिए उन्हें कोई दंड नहीं लगाया जाएगा।

बोर्ड के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, 'BCCI अपने प्रायोजक ही परेशानी को पूरी तरह समझता है। यह उनकी गलती नहीं है और भुगतान में चूक के अन्य मामलों की तरह ड्रीम11 पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। यह एक सरकारी नियम है और इसका पूरा पालन जरूरी है और मौजूदा हालात में उनके कारोबार पर असर पड़ेगा।' उन्होंने कहा, 'बोर्ड के लाभ पर भी कुछ समय के लिए असर होगा लेकिन हमें नई योजना बनानी होगी।' अधिकारी ने यह भी कहा कि UAE में एशिया कप में भारत के पहले मैच में सिर्फ 15 दिन बचे है लिहाजा नया प्रायोजक उससे पहले तलाशना कठिन है। उन्होंने कहा, 'प्रक्रिया चल रही है। हमें राष्ट्रीय टीम के टाइटल प्रायोजन के करार के लिए विज्ञापन देना है।

एशिया कप में भारत को विराट, रोहित की कमी खलेगी : बाजिद

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बाजिद खान ने कहा है कि एशिया के लिए भारतीय टीम काफी अच्छी है पर उसे अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा की कमी महसूस होगी। साथ ही कहा कि भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अन्य टीमों के खिलाफ अच्छा रहा है पर वह हमारे खिलाफ असफल रहे हैं। बाजिद ने कहा कि सूर्यकुमार पाक के खिलाफ रन नहीं बना पाये हैं। अन्होंने कह, सूर्यकुमार ने तकरीबन हर किसी के खिलाफ रन बनाए हैं परन्तु वक एक बार भी हमारे खिलाफ चल नहीं पाये हैं। अब उसका कारण जो भी रहा हो पर वह प्रभावी रहीं रहे हैं। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके विराट और रोहित गैरमौजूदगी को लेकर उन्होंने कहा, देखिए, ये दोनो खिलाड़ी शीर्ष स्तर के हैं। पाक में उनके बराबर का कोई खिलाड़ी नहीं है। विराट और रोहित खेल में तेजी लाते हैं जिसकी कमी आ अहसास भारतीय टीम को जरुर होगा। साथ ही ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा के नहीं होने से भी भारतीय टीम को नुकसान होगा। उन्होंने कहा, लोग विराट और रोहित के बारे में तो बात करते हैं पर जडेजा ऐसे खिलाड़ी हैं जो टीम की कठिन समय में सहायता करते हैं। भारतीय टीम के पास स्पिनर अक्षर पटेल हैं पर जडेजा के होने से आपको एक बल्लेबाज, एक गेंदबाज और एक बेतरीन क्षेत्ररक्षक भी मिलता है जो खेल को नियंत्रित करता है। वह विश्व क्रिकेट के सबसे बेहतरीन दो क्षेत्ररक्षकों में शामिल रहे हैं। एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में होगी। वहीं भारत आर पाक के बीच 14 सितंबर को मुकाबला होगा।

बुची बाबू टूर्नामेंट की तीसरी पारी में पृथ्वी ने लगाया अर्धशतक

चेन्नई। बल्लेबाज पृथ्वी शॉ का प्रदर्शन यहां जारी बुची बाबू टूर्नामेंट में मिला-जुला रहा है। अब तक पृथ्वी ने इस टूर्नामेंट में खेली तीन पारियों में एक शतक एक अर्धशतक लगाया है पर एक पारी में वह एक रन ही बना पाये। अपने इस प्रदर्शन से साफ है कि पृथ्वी फार्म हासिल करने के करीब हैं। पृथ्वी ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ कठिन हालातों में 111 रनों की आक्रामक पारी खेली पर दूसरी पारी में वह केवल एक ही रन बना पाए और टीम को जीत भी नहीं दिला पाए, क्योंकि छत्तीसगढ़ की टीम ने यह मुकाबला 35 रनों से अपने नाम कर लिया। वहीं टीएनसीए प्रेसिडेंट्स इलेवन के खिलाफ खेले गए एक अन्य मैच में तमिलनाडु की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 384 रन बनाये थे। इसके जवाब में महाराष्ट्र की ओर से पारी की शुरुआत करने उतरे पृथ्वी ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को आगे बढ़ाया। पृथ्वी ने 57 गेंदों में 47 रन बनाये और पहली ही गेंद पर तीन रन लेकर अपना अर्धशतक बनाया। पृथ्वी ने 96 गेंदों में 66 रन भी बनाये।

शाकिब अल हसन के टी20 में 500 विकेट पूरे, इन खिलाड़ियों की लिस्ट में हुए शामिल

एंटीगुआ । शाकिब अल-हसन कैरेबियन प्रीमियर लीग में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स पर एंटीगुआ एंड बारबुडा की जीत के साथ टी20 क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले पांचवें खिलाड़ी बन गए। बांग्लादेश के इस ऑलराउंडर ने यह उपलब्धि हासिल करने के मामले में अफगानिस्तान के राशिद खान (660 विकेट), वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो (631) और सुनील नरेन (590) और दक्षिण अफ्रीका के इमरान ताहिर (554) के साथ संयुक्त रूप से अपना नाम दर्ज कराया है। सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में कम स्कोर वाले मैच में उन्होंने केवल 6 गेंदों में 11 रन देकर 3 विकेट लिए और यह रिकॉर्ड बनाया। पैट्रियट्स ने फाल्कन्स के सामने जीत के लिए 134 रनों का लक्ष्य रखा, क्योंकि उनके अंतिम छह बल्लेबाजों ने केवल 22 रन बनाए। फाल्कन्स ने दो गेंद शेष रहते यह लक्ष्य हासिल कर लिया, जिसमें करीमा गोर 47 गेंदों में नाबाद 52 रन बनाकर आउट हुईं। गेंदबाजी के साथ ही शाकिब ने बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन किया और 18 गेंदों में 25 रन बनाकर पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान की गेंद पर स्टंप आउट हो गए। इस जीत के साथ फाल्कन्स तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं, क्योंकि उन्होंने अपने से नीचे की टीमों की तुलना में कुछ ज्यादा मैच खेले हैं।

टेस्ट क्रिकेट चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला: रोहित शर्मा

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने टेस्ट करियर के कुछ पहलुओं पर विचार करते हुए सोमवार को कहा कि यह प्रारूप चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला है लेकिन उन्होंने अपनी तैयारी पर ध्यान देकर खुद को टेस्ट क्रिकेट में खेलने के लिए तैयार किया। रोहित ने इस साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

इस 38 वर्षीय बल्लेबाज ने 67 टेस्ट मैच में 40.58 की औसत से 4301 रन बनाए। उन्होंने इससे एक साल पहले टी20 विश्व कप जीतने के बाद क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। रोहित ने यहां एक पैनल चर्चा के दौरान कहा, 'यह ऐसी चीज है जिसके लिए आपको तैयारी करनी होती है, क्योंकि इस खेल में आपको लंबे समय तक मैदान पर रहना होता है विशेष कर टेस्ट क्रिकेट में, जिसमें आपको पांच दिन तक खेलना होता है। मानसिक रूप से यह बहुत चुनौतीपूर्ण होता है और थका देने वाला भी। लेकिन सभी क्रिकेटर प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलते हुए ही बड़े हुए हैं।'

उन्होंने कहा, 'जब हम प्रतिस्पर्धी स्तर पर क्रिकेट खेलना शुरू करते हैं, यहां तक कि मुंबई में भी क्लब क्रिकेट के (मैच) दो दिन (या) तीन दिन तक चलते हैं, इस तरह से हम छोटी उम्र से ही इसके लिए तैयार रहते हैं। इससे आपके सामने आने वाली परिस्थितियों का सामना करना थोड़ा आसान हो जाता है।'

रोहित ने कहा कि सभी युवा खिलाड़ी अपने करियर की शुरुआत में अच्छी तैयारी के महत्व को नहीं समझते हैं, लेकिन वे धीरे-धीरे इसका महत्व समझने लगते हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप बहुत छोटे होते हैं, तो आप तैयारी के महत्व को नहीं समझते। लेकिन जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, आपको समझ आता है कि यह आपको एक प्रकार का अनुशासन देता है जिसकी खेल में मांग होती है, इसलिए इसकी शुरुआत तैयारी से होती है, यह समझने से कि आपको वास्तव में क्या करने की जरूरत है।'

रोहित ने कहा, 'जब आप सबसे लंबे प्रारूप में खेल रहे होते हैं तो इसमें काफी कुछ करना पड़ता है और एकाग्रता ही सबसे महत्वपूर्ण चीज है, क्योंकि आप बहुत अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे होते हैं और उसके लिए मानसिक रूप से तरोताजा होना जरूरी है।' उन्होंने कहा, 'बहुत सारा काम पर्दे के पीछे से शुरू होता है। जैसा कि मैंने कहा, तैयारी में। आप मैदान पर लंबे समय तक टिके रहने के लिए खुद को तैयार करते हैं।'

रोहित ने कहा कि उनके लिए भी यह

कोई अलग बात नहीं रही और समय के साथ उन्होंने खुद को तैयार करने के लिए अभ्यास को अधिक समय देना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, 'मेरे साथ भी बिल्कुल ऐसा ही हुआ, जब मैंने मुंबई के लिए खेलना शुरू किया और फिर भारत के लिए खेलने लगा। मेरा ध्यान और समय इस बात पर केंद्रित था कि मैं मैच से पहले कैसे तैयारी करता हूं।'

नोवाक जोकोविच ने यूएस ओपन में जीत के साथ की शुरुआत

न्यूयॉर्क । नोवाक जोकोविच ने यूएस ओपन के पहले दौर में उत्साही किशोर लर्नर टिएन को हराकर प्रतियोगिता के दूसरे दौर में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम की रोशनी में रविवार रात खेले गये पुरुष एकल वर्ग के मुकाबले में सातवीं वरीयता प्राप्त जोकोविच ने 19 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी को दो घंटे 25 मिनट में 6-1, 7-6(3), 6-2 से हराया। विंबलडन के बाद पहली बार खेल रहे 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने शानदार शुरुआत की और 24 मिनट के शुरुआती सेट में केवल एक गेम गंवाया। हालांकि रात्रि सत्र में पदार्पण कर रहे टिएन ने जोकोविच को कड़ी टक्कर देते हुए दमदार बेसलाइन खेल और घरेलू दर्शकों के समर्थन से वापसी की और दूसरे सेट में एक सेट प्वाइंट भी हासिल किया। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे लगता है कि दूसरे सेट में संयम बनाए रखना और टाईब्रेकर में जीत हासिल करना मेरे लिए बेहद जरूरी था। इसके बाद मुझे बेहतर महसूस होने लगा। मुझे पता है कि मैं हमेशा बेहतर कर सकता हूं, लेकिन इस साल के अभियान की शुरुआत करने का यह एक शानदार तरीका है।' इस जीत के साथ ग्रैंड स्लैम में पहले दौर में दबदबे का जोकोविच का शानदार रिकॉर्ड और भी मजबूत हो गया है। 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से उन्होंने किसी भी बड़े टूर्नामेंट के पहले दौर का मैच नहीं गंवाया है। उनकी लगातार 75 जीत है।

महिला विश्वकप और दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम घोषित, फातिमा बनी कप्तान

लाहौर । अगले माह के अंत में शुरु हो रहे महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में पाकिस्तान टीम की कप्तानी फातिमा सना करेंगी। इस टूर्नामेंट के पाक की 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी गयी है। टीम की उपकप्तानी सना को सौंपी गई, जबकि मुनीबा अली सिद्दीकी को मिली है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि विश्व पक से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 16-22 सितंबर तक होने वाले तीन एकदिवसीय मुकाबलों में भी यही टीम भाग लेगी। पीसीबी ने कहा, ये 15 खिलाड़ी पांच रिजर्व खिलाड़ियों के साथ ही 29 अगस्त से शुरू होने वाले 14-दिवसीय प्री-दक्षिण अफ्रीकी सीरीज कैंप में भाग लेंगी। इसके लिए मोहम्मद वसीम के नेतृत्व वाले कोचिंग स्टाफ के मार्गदर्शन में खिलाड़ी अभ्यास कर रहे हैं। बल्लेबाज एयमान फातिमा को इस टीम में अवसर दिया गया है, फातिमा ने हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ टी20 क्रिकेट में पदार्पण किया था। इनके अलावा, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार और सैयदा अरूब शाह भी टीम में शामिल की गयी हैं। आईसीसी महिला विश्व कप क्वालीफायर में शामिल 15 सदस्यीय टीम में दो बदलाव किए गए हैं। एयमान और सदाफ को गुल फिरोजा और नजीहा अल्वी की जगह मुख्य टीम में शामिल किया गया, जिन्हें तुबा हसन, उम्म-ए-हानी और वहीदा अख्तर के साथ पांच नॉन ट्रैवलिंग-रिजर्व में रखा गया है। महिला विश्व कप 2025 की शुरुआत 30 सितंबर से होने जा रही है। इसमें पाक टीम अपने अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर से करेगी, जिसके बाद 5 अक्टूबर को वह भारतीय टीम से खेलेगी जबकि 8 अक्टूबर को उसका ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला होगा, 15 अक्टूबर को वह इंग्लैंड से सामना करेगी।।

अमेरिकी ओपन : जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंची अजारेंका सहित ये तीन खिलाड़ी

न्यूयॉर्क । विक्टोरिया अजारेंका, जेसिका पेगुला और जैस्मिन पाओलिनी अमेरिकी ओपन टेनिस के महिला एकल के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। इन तीनों ने ही अपने-अपने मुकाबले आसानी से जीते। अजारेंका ने अमेरिकी क्वालीफायर हीना इनोउए को 7-6(0), 6-4 से हराया। अजारेंका ने दो घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में 35 विनर्स लगाए, जबकि इनोउए के 14 विनर्स थे। विंबलडन के बाद पहला मैच खेल रहीं अजारेंका ने अमेरिकी ओपन में अपना 49वां मुकाबला जीता है। अब दूसरे दौर में उनका सामना अनास्तासिया पावल्युचेंकोवा या दयाना यास्त्रेम्स्का के बीच होने वाले मैच की विजेता खिलाड़ी से होगा। वहीं पेगुला ने मिस्र की मेयर शेरिफ को 6-0, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। अब पेगुला का मुकाबला एन्ना ब्लिंकोवा से होगा, जिन्होंने पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-3, 6-1 से पराजित किया। पेगुला और शेरिफ के बीच खेले गए इस मुकाबले में पेगुला ने अच्छी शुरुआत कर पहला सेट 6-0 से जीता। वहीं दूसरे सेट में शेरिफ ने अपनी लय पकड़ी और अमेरिकी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 4-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद पेगुला ने अपनी लय वापस पाते हुए जीत हासिल की। एक मुकाबले में पाओलिनी ने क्वालीफायर डेस्टेनी ऐवा को 6-2, 7-6(4) से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। पहला सेट 6-2 से जीतने के बाद, पाओलिनी को दूसरे सेट में काफी संघर्ष करना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाकर सेट को टाईब्रेकर में पहुंचाया।

पुजारा से पहले भी कई दिग्गजों को नहीं मिली थी सम्मानजनक विदाई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में पिछले कुछ समय में कई दिग्गज खिलाड़ियों को सम्मानजनक विदायी नहीं मिल पायी है। अब इसमें एक नाम चेतेश्वर पुजारा का भी जुड़ गया है। पुजारा ने रविवार को खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं इससे पहले आर अश्विन ने भी अचानक की खेल को अलविदा कह दिया था। जिन खिलाड़ियों को विदायी मैच नहीं मिले उनमें पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, वीरेंदर सहवाग, युवराज सिंह जैसे नाम भी शामिल हैं हालांकि इन सभी के बड़े कद और भारतीय जिन्हें स्टेडियम में दर्शकों और प्रशंसकों की भीड़ के बीच क्रिकेट को अलविदा कहने का मौका नहीं मिला। ये खिलाड़ी निश्चित तौर पर सम्मानजनक विदाई के हकदार थे।

पुजारा टेस्ट के विशेषज्ञ बल्लेबाज रहे हैं। टीम इंडिया के लिए खेलने की प्रतिबद्धता के कारण उन्होंने मोटी कमाई वाली आईपीएल को भी महत्व नहीं दिया। उन्हें टेस्ट में राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण का मिश्रिण कहा जाता था। दिग्गजों का मानना है कि पुजारा को खेल के मैदान से अपने पसंदीदा खेल को अलविदा कहने का मौका मिलना चाहिए था। वहीं तीनों प्रारुपों में भारत के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक महेंद्र सिंह धोनी को भी साल 2020 में विदायी नहीं मिली थी और उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं 2011 वर्ल्ड कप जीत के हीरो युवराज ने तो साल 2019 में विदाई मैच की मांग तक की थी पर बीसीसीआई ने उसे ठुकरा दिया था। टीम चयन में लगातार उपेक्षा के बाद युवराज ने खेल को अलविदा कह दिया था। सहवाग ने साल 2013 में अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने 2 साल तक इंतजार किया कि उन्हें मैदान में क्रिकेट को अलविदा कहने का मौका मिल जाए पर उन्हें सम्मानजनक विदाई नहीं मिली। वहीं वीवीएस लक्ष्मण ने साल 2012 में कुछ दिन पहले ही संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं जहीर खान, हरभजन सिंह, गौतम गंभीर का भी कोई विदायी मैच नहीं मिला था।

फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान' के प्रोड्यूसर पर भड़के अनुराग कश्यप

बॉलीवुड निर्देशक अनुराग कश्यप अपने बेबाक बयानों के लिए हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। इस बार उन्होंने निशाना साधा है आने वाली एआई-जनरेटेड फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान - द इटरनल' पर। यह फिल्म अबंडेंटिया एंटरटेनमेंट और कलेक्टिव मीडिया नेटवर्क के हिस्ट्रीवर्स द्वारा घोषित की गई है और दावा किया जा रहा है कि यह भारत की पहली बड़ी मेड इन एआई मेड इन इंडिया फिल्म होगी, जिसकी रिलीज हनुमान जयंती 2026 पर तय की गई है।

कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क के फाउंडर-सीईओ और फिल्म के निर्माता विजय सुब्रमण्यम पर अनुराग कश्यप आगबबूला हो गए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर सीधे विजय को आड़े हाथों लिया। अनुराग ने लिखा कि एक तरफ वो कलाकारों, लेखकों और निर्देशकों का प्रतिनिधित्व करते हैं और दूसरी तरफ एआई से बनी फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।

कश्यप के मुताबिक, ये उन रचनाकारों के हितों से सीधा विश्वासघात है, जिनकी मेहनत और प्रतिभा पर ये एजेंसियां टिकी हुई हैं। पैसे के लिए सबकुछ- कश्यप का आरोप अनुराग ने अपने नोट में एजेंसियों पर यह आरोप भी लगाया कि उनका मकसद केवल पैसे कमाना है। उन्होंने कहा कि जब कलाकार उनके लिए पर्याप्त मुनाफा नहीं कमा पाते, तो ये एजेंसियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा ले लेती हैं। उन्होंने कहा, जिस किसी भी अभिनेता या कलाकार में आत्मसम्मान है, उसे इस एजेंसी से सवाल करना चाहिए या इसे छोड़ देना चाहिए।

फिल्म इंडस्ट्री में बढ़ती बेचैनी

अनुराग कश्यप के अलावा निर्देशक विक्रमादित्य मोटवाने ने भी इस प्रोजेक्ट पर तंज कसा। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म की घोषणा शेयर करते हुए लिखा - तो अब शुरुआत हो गई. जब सबकुछ एआई करेगा तो लेखकों और निर्देशकों की जरूरत किसे है?

विजय सुब्रमण्यम ने दिया जवाब

हालांकि, विजय सुब्रमण्यम ने इन आलोचनाओं पर अपना पक्ष भी रखा। उन्होंने मीडिया को दिए बयान में कहा कि इस फिल्म का उद्देश्य परंपरा और नवाचार को जोड़ना है। उनका दावा है कि इस प्रोजेक्ट में सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखते हुए पारदर्शिता से काम किया जा रहा है और दर्शकों को यह साफ तौर पर बताया जाएगा कि रचनात्मक प्रक्रिया में एआई की क्या भूमिका है।

सन ऑफ सरदार 2 को मिली प्रतिक्रिया पर कुब्रा सैत ने जताई खुशी

अभिनेत्री कुब्रा सैत जल्द ही काजोल के साथ 'ट्रायल सीजन 2' में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में काम किया था। बातचीत में कुब्रा ने विस्तार से चर्चा की।

पहली मीटिंग के बाद ही 'सन ऑफ सरदार 2' के लिए तैयार हो गई थीं कुब्रा

अजय देवगन के साथ 'सन ऑफ सरदार 2' में काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने बताया कि मुझे याद है पहली मीटिंग डायरेक्टर और टीम के साथ हुई थी। तभी लगा कि मेरा किरदार बिल्कुल वैसा ही है जैसा मैं चाहती थी। स्क्रिप्ट देखकर बहुत अच्छा लगा और महसूस हुआ कि मैं इसे सही तरीके से निभा सकती हूं। हां, शूटिंग और वीजा की तैयारियां थोड़ी तनावपूर्ण थीं, लेकिन शुरुआत से ही बहुत खुशी और उत्साह था। हर दिन सेट पर कुछ नया और मजेदार होता था। 'सन ऑफ सरदार 2' बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। हालांकि, कुब्रा फिल्म की रिलीज के बाद बहुत खुश हैं। उनका कहना है कि फिल्म देखकर लोग हंसे, फिल्म ने परिवारों को एक साथ जोड़ा। मेरे लिए सबसे बड़ा इनाम यह था कि शूटिंग के दौरान जितना मजा आया, वही ऑडियंस तक भी पहुंचा। यह सफर सिर्फ फिल्म बनाने का नहीं, बल्कि हंसी, खुशी और यादगार पल बनाने का भी था। मैं बहुत गर्व महसूस करती हूं कि इसका हिस्सा बन सकी।

इंडस्ट्री में आया बड़ा बदलाव

कुब्रा इंडस्ट्री में पिछले पंद्रह साल से काम कर रही हैं। इस दौरान अपने इंडस्ट्री के अनुभव और अपनी यात्रा को लेकर एक्ट्रेस कहती हैं कि शुरुआत में जब मैं बॉम्बे आई थी, तो मेरे पास किसी का नंबर नहीं था और इंडस्ट्री बहुत बड़ी और अलग लगती थी। आज सोशल मीडिया ने दुनिया को छोटा कर दिया है। अब शहर में अकेला या अजनबी नहीं लगता, बल्कि एक तरह से परिचित लगता है। यह मेरे लिए सबसे बड़ा बदलाव है।

धीरे-धीरे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना सीख रही हूं

कुब्रा ने अपने कठिन किरदारों के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसे किरदार आए जो मुझे पहली बार देखकर उत्साहित नहीं कर रहे थे, लेकिन फिर भी मैंने उन्हें निभाया। जैसे 'फाउंडेशन' में फारा का किरदार, सीरीज 'इल्लीगल' में मेहर सलाम और 'शहर लखोट' में पल्लवी। पहले मैं ऐसे किरदारों के बाद जल्दी हिम्मत हार जाती थी, लेकिन अब धीरे-धीरे सीख रही हूं कि उनके इमोशंस को महसूस करना है बिना खुद टूटे। कठिन किरदार हमारे धैर्य और ताकत को परखते हैं और मुझे हर नए किरदार के लिए तैयार करते हैं।

हमें किरदार को इंटरेस्टिंग बनाना चाहिए

स्टीरियोटाइप और टाइपकास्ट होने को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि कभी-कभी लोग आपको एक ही तरह के किरदार में देखते हैं। लेकिन अगर स्क्रिप्ट में समानताएं हों, तो हम अपने तरीके से उसे ताजा और इंटरेस्टिंग बना सकते हैं। यही कला है और काम करने की असली खुशी है।

टॉक्सिक में जानबूझकर रुक्मिणी वसंत की एंट्री को गुपचुप रखा गया था

यश की टॉक्सिक - ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में पाँचवीं हीरोइन कौन होगी, इस सस्पेंस का परदा अब हट चुका है। खबर पक्की है कि एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत शुरू से ही फिल्म का हिस्सा थीं, बस मेकर्स ने जानबूझकर उनकी एंट्री को गुपचुप रखा था। सूत्रों की मानें तो रुक्मिणी ने पहले ही मुंबई शेड्यूल में यश के साथ कई सीन शूट कर लिए हैं और अब उनके हिस्से की बस कुछ दिन की शूटिंग बाकी है। सूत्रों ने बताया - फिल्म की कहानी हमेशा से दमदार फीमेल किरदारों पर टिकी हुई है और रुक्मिणी का रोल भी उतना ही स्ट्रॉन्ग है। वो कहानी में जबरदस्त असर लेकर आती हैं। टीम चाहती थी कि ये सरप्राइज़ आखिर तक बना रहे, इसलिए उनका नाम अभी तक छुपाया गया था। अब रुक्मिणी भी जुड़ गई हैं टॉक्सिक की शानदार हीरोइनों की लाइन-अप में — जिसमें पहले से ही कियारा आडवाणी, नयनतारा, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी जैसी स्टार्स शामिल हैं। हर कोई फिल्म के नैरेटिव को और गहराई देने वाला है। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी रही ये फिल्म फिलहाल मुंबई में शूट हो रही है और इसका वर्ल्डवाइड रिलीज़ डेट फिक्स है - 19 मार्च 2026। साथ ही ये एक माइलस्टोन भी है क्योंकि टॉक्सिक पहली बड़ी फिल्म है जो एक साथ कन्नड़ और इंग्लिश में शूट हो रही है और फिर हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में डब होकर रिलीज़ होगी। कन्नड़ इंडस्ट्री से ताल्लुक रखने वाली रुक्मिणी वसंत पहले ही सप्त सागरदाचे एलो से तारीफें बटोर चुकी हैं। उनके पास आगे भी मधरासी, कंतारा चैप्टर 1 और एनटीआर नील जैसी फिल्में हैं, जिससे वो इंडस्ट्री की सबसे बिज़ी और चर्चित यंग एक्ट्रेस बन चुकी हैं। टॉक्सिक - ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स का प्रोडक्शन वेंकट के. नारायण (केवीएन प्रोडक्शंस) और यश (मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स) मिलकर कर रहे हैं।

नीरू बाजवा ने इस तरह की फिल्म तेहरान की तैयारी

अभिनेत्री नीरू बाजवा ने अपनी फिल्म तेहरान में अपने किरदार की तैयारी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने ज़्यादा रिहर्सल या मेथड एक्टिंग नहीं की, बल्कि एक सहज और स्वाभाविक तरीका अपनाया। उन्होंने कहा, मैंने कोई तयशुदा तैयारी प्रक्रिया नहीं अपनाई। मैंने सिर्फ स्पाई फिल्मों को देखकर समझा कि ऐसे किरदार किस तरह चलते-फिरते हैं, उनकी बॉडी लैंग्वेज कैसी होती है और वे खुद को कैसे पेश करते हैं। बाजवा का मानना है कि इस तरह का ऑब्ज़र्वेशन करने से उन्हें सेट पर प्राकृतिक रूप से ढलने और किरदार को असली अंदाज़ में निभाने में मदद मिली। उन्होंने कहा, फिल्म की शूटिंग के दौरान सहयोगी माहौल का भी ज़िक्र किया और अपने सह-कलाकार जॉन अब्राहम की तारीफ की। उन्होंने कहा जॉन बहुत ही विनम्र और सकारात्मक रहे। वे हमेशा ध्यान रखते थे कि सेट पर हर कोई आरामदायक महसूस करे। उसी माहौल की वजह से हम सभी की परफॉर्मेंस बेहतर हुई। अपनी सहजता, ऑब्ज़र्वेशन और टीम के सपोर्ट से बाजवा का मानना है कि उनका तेहरान का किरदार बेहद नैचुरल तरीके से सामने आया।

प्रभास बहुत बड़े स्टार, लेकिन उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी

अभिनेत्री श्रीदेवी विजयकुमार निर्देशक वेंकटेश निम्मालापुडी की अपकमिंग तेलुगु फिल्म सुंदरकांड में नारा रोहित के साथ मुख्य भूमिका में फिर से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी दोस्ती आज भी प्रभास के साथ वैसी ही है जैसी पहली थी। अभिनेत्री ने सुपरस्टार प्रभास की तारीफ की। उन्होंने बताया कि भले ही प्रभास आज बड़े पैन इंडिया स्टार बन चुके हैं, लेकिन उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। श्रीदेवी विजयकुमार ने प्रभास के साथ उनकी पहली फिल्म ईश्वर में उन्होंने मुख्य नायिका के रूप में डेब्यू किया था। इस फिल्म का निर्देशन जयंत सी. परांजी ने किया था। सुंदरकांड के प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीदेवी से प्रभास के साथ उनकी दोस्ती के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, प्रभास के साथ मेरी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। प्रभास अब एक बड़े स्टार बन चुके हैं, लेकिन वे जरा भी नहीं बदले। श्रीदेवी ने बताया कि प्रभास आज भी वैसे ही मुस्कुराते हैं और उसी मासूमियत से बात करते हैं जैसे पहले किया करते थे।

नक्सलवादी नहीं काले रंग के कारण फिल्म से निकाला

पांच दशकों का लंबा करियर, चार राष्ट्रीय पुरस्कार, दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित जाने -माने कलाकार मिथुन चक्रवर्ती जितने विविधरंगी डकार रहे, उतने ही बेबाक और बिंदास। इन दिनों वे चर्चा में हैं विवादास्पद फिल्म द बंगाल फाइल्स से। इस मुलाकात में वे फिल्म, विवादास्पद बयान, संघर्ष, काले रंग के कारण हुए भेदभाव,अपने नक्सली अतीत जैसे मुद्दों पर अपने अंदाज में दिल खोल कर बातें करते हैं।

पचास साल के अपने करियर में आपने सिनेमा को लगातार संवारा है, आज पलट कर देखते हैं, तो कैसा लगता है?

ऐसा ही लगता है कि इतने साल कैसे हो गए? एक समय मैं स्ट्रगलर था, फिर स्ट्रगलर से सुपरस्टार बना। इतने सारे अवॉर्ड्स और फिर दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड, लेकिन मैं अपने आप को शुरू का मिथुन चक्रवर्ती ही मानता हूं। उस मिथुन और आज के मिथुन में कोई फर्क नहीं है। मैं किसी का मिथुन दादा, किसी का दोस्त, किसी का पड़ोसी, लगता हूं। वो फील मैंने हमेशा रखा है। मैंने अपने दिमाग में कभी वो चीज लाने ही नहीं दी कि मुझे चार-चार नैशनल अवॉर्ड मिले हैं। लोग मुझे लिविंग लेजेंड कहते हैं, मैं ये सब सुनता हूं, मगर उसे अंदर नहीं आने देता।

आपने द बंगाल फाइल्स जैसी फिल्म के लिए हामी क्यों भरी?

कारण यही था कि विवेक अग्निहोत्री अगर कोई फिल्म बनाते हैं, तो मेरे लिए कैरेक्टर बनाते हैं। मैंने ये फिल्म किरदार के कारण चुनी। मैं इसमें एक पागल आदमी का किरदार अदा कर रहा हूं, जो असल में पागल नहीं है। एक ऐसा पुलिस अफसर, सच बोलने के एवज में जिसकी जुबान काट दी गई थी। यह सड़कों पर कहीं भी सो जाता है, कचरे के डिब्बे से खाना उठाकर खाता है। यह किरदार फिल्म की अंतरात्मा है। यह जुबान से बोल नहीं पाता, तुतलाता है। इस चरित्र को निभाने में मुझे काफी तकलीफ हुई, मगर विवेक चाहते थे कि मैं ही करूं। बहुत दिनों तक मैं इसे करने से मना भी करता रहा, मगर आखिरकार मैंने किया।

लोग तो कह ही रहे हैं, मगर फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने भी स्वीकार किया कि ये एजेंडा वाली फिल्म है, आप क्या कहेंगे?

एकदम, ये एजेंडा वाली फिल्म ही है। विवेक सचाई पर फिल्म बनाता है, किसी फेक स्टोरी पर नहीं। उसका डॉक्युमेंटेशन ज़बरदस्त होता है, रिसर्च गहरा होता है। वो सबूत के साथ आपको फिल्म बना कर दिखाएगा। तो इसमें उसने कुछ गलत नहीं कहा।

हाल ही में पड़ोसी मुल्क पर की गई अपनी बायनबाजी (यूरिनेशन वाला बयान) के कारण आप विवादों में भी आ गए?

मैं जो कुछ कहता हूं, सच ही कहता हूं। जो मेरे दिल में आता है, मैं कह देता हूं, फिर वो पड़ोसी देश के लिए हो या किसी और देश के लिए। मुझे जो सच लगता है, मैं वह बोल देता हूं।

संघर्ष के दौर में डूबते को तो तिनके का सहारा भी काफी होता है? आपके लिए क्या था?

मैं तिनके के सहारे के बारे में भी नहीं सोच पाता था, मगर हां जो मुझे पहली फिल्म मिली, उसमें मैं आदिवासी हीरो बना, जो मेरे लिए एकदम परफेक्ट बैठ गया। फिल्म थी मृगया, इसके लिए मुझे नैशनल अवॉर्ड मिला। फिर मैंने रक्षक की, सुरक्षा में काम किया। मैं इवॉल्व हुआ, परफॉर्मेंस के नजरिए से, डांस की दृष्टि से।

मैं लोगों से कहता था, मेरे रंग को मत देखो, मेरा डांस देखो। इसीलिए आपने नोट किया होगा कि मेरी सारी डांसिंग पैरों से होती है। मैं अपने चेहरे पर ज्यादा फोकस नहीं करता। मैं एल्विस प्रेस्ली का फैन रहा हूं, तो मैं उनके डांस स्टेप्स को कॉपी करके अपने मूव्ज मिलाकर मैंने अपना स्टाइल बना दिया, जो आज की तारीख में मिथुन चक्रवर्ती की डांसिंग स्टाइल हर पार्टी या इवेंट में कॉपी होती है।

आप नक्सलवाद से भी जुड़े रहे, तो उसके कारण आपको इंडस्ट्री द्वारा अपनाए जाने में किसी तरह की दिक्कत पेश आई?

नहीं, नहीं उनको तो बाद में पता चला मेरे नक्सली होने का। अब उस बारे में बात नहीं करना चाहता। मगर मेरे रंग को लेकर मुझसे सबसे ज्यादा तकलीफ हुई, फिर मेरा वही रंग बाद में सेक्सी-डस्की बंगाली बाबू हो गया। लेकिन रंग के कारण फिल्म में कास्ट हो जाने के बाद भी निकाल दिया गया। क्या-क्या बोलूं? ये खत्म ही नहीं होगा।

दमण में पांचवीं बार योगासन चैंपियनशिप हुई संपन्न

■ दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल ने पहुंचकर खिलाडियों का बढाया उत्साह

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 25 अगस्त। दमण योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से सभी आयु वर्ग के लिए योगासन चैंपियनशिप आयोजित की गई। चैंपियनशिप के डायरेक्टर राजेंद्र कोकाटे, सह डायरेक्ट आकाश उदेशी के मार्गदर्शन में जिला लेवल की योगासन चैंपियनशिप 2025 आयोजन किया गया था। जिसमें दमण के अनेक स्कूलों तथा संस्था से लगभग 125 योगासन खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसमें से 67 बच्चे स्टेट लेवल के लिए सिलेक्ट किए गए, सभी को सर्टिफिकेट और मेडल देकर सम्मानित किया गया। कुल 10 ट्रेडिशनल, आर्टिस्टिक सिंगल, आर्टिस्टिक पैर, रिधेमिक पैर इवेंट में प्रतिभागियों ने भाग लेकर मेडल प्राप्त किए। इसके बाद राज्य स्तर की चैंपियनशिप और बाद में विनर खिलाड़ी नेशनल चैंपियनशिप में भाग लेंगे। इस चैंपियनशिप में दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल, शिवम मित्र मंडल अध्यक्ष कमलेश पटेल, दमण-दीव-दादरा नगर हवेली योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट तनुजा आर्य, सेक्रेटरी अर्जुन उदेशी, भारत स्वाभिमान प्रभारी रमेश दाबुलकर, प्रतिभा स्मार्ट पतंजलि योग समिति दीव, वर्षा भट्ट की उपस्थिति रही। चैंपियनशिप के टेक्निकल ऑफिशियल के रूप में पार्थभाई, आकाशभाई, रिचा वर्मा, स्नेहाबेन, कविताबेन, मानसीबेन, निकिताबेन, कबीरभाई, अजयभाई, आशिमभाई, मंजुबेन ने सहयोग किया। समापन से पहले राजेन्द्र कोकाटे ने प्रशासक, खेल विभाग, दुनेठा ग्राम पंचायत और सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रतिभा स्मार्ट ने किया।

दमण जिला भाजपा के नवनियुक्त महामंत्री गणेश भंडारी का कचीगाम डुंगरी फलिया में युवाओं ने किया भव्य सम्मान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 24 अगस्त। दमण जिला भाजपा कमेटी में कचीगाम के गणेश भंडारी को महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपने पर कचीगाम डुंगरी फलिया में युवाओं ने सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर कचीगाम डुंगरी फलिया में दमण जिला भाजपा के नवनियुक्त महामंत्री गणेश भंडारी का कल्पेश धोडी, महेश धोडी, अशोक धोडी, दीपू पटेल, धनसुख धोडी, धर्मेशभाई, राकेशभाई एवं युवाओं ने गुलदस्ता भेंटकर गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया।

दीव में बरसात के चलते मकान गिरा, दोपहिया वाहन को नुकसान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 25 अगस्त। दीव में हो रही भारी बारिश के चलते एक बंद मकान आज सुबह गिर गया। मकान गिरने से कोई जानहानि नहीं हुई है लेकिन रोड पर पार्किंग किये गये एक दोपहिया वाहन को नुकसान पहुंचा है। पूरा मकान गिर जाने से मकान मालिक बाबू लखमण को भारी नुकसान हुआ है।

सरकारी हाईस्कूल पटलारा में कानूनी जागरुकता कार्यक्रम आज

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 25 अगस्त। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण-दीव के एड-हॉक मेंबर सेक्रेटरी श्री राजेश एस. तिवारी के मार्गदर्शन में दमण कोर्ट द्वारा मोटी दमण के पटलारा स्थित सरकारी हाईस्कूल में 26 अगस्त को कानूनी जागरुकता शिविर का आयोजन किया जायेगा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण और एडवोकेट बार एसोसिएशन के सहयोग से आज सुबह 10 बजे से आयोजित होने वाले कानूनी जागरुकता कार्यक्रम में वकील स्मीता गोहिल पोस्को अधिनियम के लिए साक्षरता शिविर की जानकारी देंगी। वकील मयंक पटेल सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएं और केन्द्रीय, राज्य, संघ प्रशासन की योजनाओं की जानकारी देगे। वकील मानसी परमार यातायात नियमों और साइबर अपराधों के लिए कानूनी जागरुकता पर जानकारी देगे। वकील सुशील चौहाण कार्यक्रम का संचालन करेंगे।

दीव जिले की ग्राम पंचायतों में स्वच्छता पखवाडा के तहत निकाली गई स्वच्छता रैली

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 25 अगस्त। दीव जिले की ग्राम पंचायतों में स्वच्छता पखवाडा के तहत आज स्वच्छता रैली निकाली गई। दीव जिले की शहीद भगत सिंह ग्राम पंचायत, साउदवाडी ग्राम पंचायत एवं सरदार वल्लभभाई पटेल ग्राम पंचायत द्वारा एक साथ स्वच्छता रैली निकाली गई थी। जिसमें सरपंचों, पंचायत सदस्यों, ग्रामीणों और स्कूली बच्चों ने शामिल होकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरुक किया।

दमण में भक्तिभाव से निकाली गई बाबा रामदेवजी की ध्वजा यात्रा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 25 अगस्त। बाबा रामदेव का जन्मदिवस भादरवा महीने की दूज के दिन मनाया जाता है। जिसके तहत हर साल की तरह इस साल भी बाबा रामदेवजी के भक्तों ने बड़ी आस्था और भक्ति के साथ पारंपरिक ध्वजा यात्रा निकाली। यह पदयात्रा सुबह 4 बजे भीमपोर से शुरू हुई, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया। भक्तगण बाबा रामदेवजी के भजन गाते हुए मशाल चौक, कुंता, सोमनाथ होते हुए नामधा वापी स्थित बाबा रामदेवजी मंदिर पहुँचे। मंदिर पहुँचने पर धार्मिक अनुष्ठानों के साथ पवित्र ध्वजारोहण किया गया और भव्य आरती का आयोजन किया गया। पूरा वातावरण भक्ति से गूंज उठा, जहां भक्तों ने भजन गाकर शांति, समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की। यह पदयात्रा बाबा रामदेवजी के अनुयायियों के बीच एकता, समानता और भक्ति का प्रतीक बन रही है।

दमण सीजेएम ने महिला का पीछा करने के मामले में आरोपी को 1 साल का कारावास एवं 5 हजार के अर्थदंड की सुनाई सजा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 25 अगस्त। दमण न्यायालय में तीन साल से चल रहे एक युवती की स्टॉकिंग करने के मामले की आज सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती प्रणिता पी. भारस्कडे वाघ ने आरोपी राजेश गोस्वामी को दोषी मानते हुए 1 साल का कारावास तथा 5 हजार रूपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। मिली जानकारी के अनुसार मोटी दमण कोस्टल पुलिस थाने में 14 जनवरी 2022 को पीड़ित 25 वर्षीय युवती ने आरोपी राजेश गोस्वामी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि आरोपी बार-बार उसका पीछा करता है। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 354डी के तहत मामला दर्जकर 15 जनवरी को आरोपी राजेश को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच अधिकारी पीएसआई सेजल पटेल ने 10 अप्रैल 2022 को न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया। 25 अगस्त को मामले में सुनवाई करते हुए दमण की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती प्रणिता पी. भारस्कडे वाघ ने सीसीटीवी फुटेज सहित कुल 4 गवाहों को सुनने के बाद राजेश गोस्वामी को महिला को स्टॉक करने का दोषी मानते हुए एक साल का कारावास तथा 5 हजार रूपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। एपीपी श्रीराम देशपांडे ने सरकार की ओर से जोरदार पैरवी करके आरोपी को सलाखों के पीछे पहुंचवाया।

(पेज 1 का शेष समाचार)

राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत संघ प्रदेश थ्रीडी के तीनों जिलों में...

हैप्पी बीच-खेल के सितारे समंदर के किनारे कार्यक्रम के तहत दमण में टग ऑफ वॉर और योगा स्पर्धा का आयोजन 29 अगस्त को और हाफ मैराथन का आयोजन 31 अगस्त को लाइट हाउस बीच मोटी दमण पर आयोजन किया जाएगा। दीव में टग ऑफ वॉर स्पर्धा का आयोजन 29 अगस्त को घोघला / नागवा बीच पर किया जाएगा। हैप्पी बीच स्पोर्ट्स गतिविधि का उद्देश्य पर्यटकों और स्थानीय लोगों को मनोरंजन, फिटनेस और साहसिक अनुभव प्रदान करना, साथ ही समुद्र तट पर खेलों के माध्यम से स्वास्थ्य, उत्साह और सामूहिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। इसी क्रम में तीनों जिलों के विद्यालयों द्वारा भी इस राष्ट्रीय खेल दिवस के निर्देशानुसार 28 अगस्त से 31 अगस्त, 2025 के मध्य अपने-अपने विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि खुद को स्वस्थ रखते हुए हमें अपनी इम्युनिटी को बढ़ाने, स्वस्थ रहने के लिए शारीरिक अभ्यास और खेलकूद नितांत आवश्यक है। लोग खासकर युवा खुद के फिटनेस के प्रति जागरूक होते हुए आम लोगों को जागरूक करने का कार्य करेंगे। प्रशासन आमजन से अपील करता है कि संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में 28 से 31 अगस्त 2025 हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्म जयंति पर आयोजित होनेवाले खेल स्पर्धा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर खेल स्पर्धा का हिस्सा बने तथा खुद को फिट रखते हुए देश को फिट रखने में अपनी अहम भूमिका अदा करें। अधिक जानकारी के लिए देवराज सिंह राठौड़ (दमण) मो. नं 7698380585, महेश पटेल (दादरा नगर हवेली) मो. नं. 9979627324 एवं जे. डी. काकवा मो. नं. 9824689711 और नानजी जेठवा (दीव) मो. नं. 9898382855 को संपर्क करे।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)